दैनिक

भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-25 Valid up to 31 dec. 2025

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

भीम प्रज्ञा अलर्ट

जो व्यक्ति केवल अपने अनुभव को ही सत्य मान लेता है, वह दुनिया को नहीं, सिर्फ़ अपनी परछाईं को देख रहा होता है।

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-41 | झुंझुनू (राजस्थान) | बुधवार, 31 दिसंबर, 2025 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

अनुभव की बारिश और तर्क की धूप – समाज के संतुलन की ज़रूरत

मानव जीवन का सबसे रोचक और जटिल पहलू यह है कि हर इंसान संसार को अपने-अपने चश्मे से देखता है। यह चश्मा उसके अनुभवों, परिस्थितियों, मानसिक स्थिति और सामाजिक पृष्ठभूमि से बना होता है। यही कारण है कि एक ही घटना, एक ही दृश्य और एक ही परिस्थिति दो अलग-अलग लोगों के लिए बिल्कुल भिन्न अर्थ और प्रभाव पैदा कर सकती है। यह मैं बोलूंगा तो कहोगे कि बोलता है।

जैसे बारिश–किसी के लिए वह प्रेम और सुकून का प्रतीक बन जाती है, तो किसी के लिए वही बारिश चिंता, पीड़ा और असहायता का कारण बन जाती है। जिसका घर सुरक्षित है, उसके लिए बारिश कविता है; और जिसका घर टपक रहा है, उसके लिए वही बारिश एक समस्या है। दोनों ही अनुभव अपने-अपने स्थान पर सही हैं। यहां तर्क मौन हो जाता है, क्योंकि अनुभव का संबंध भावनाओं और मनोविज्ञान से होता है, न कि केवल तथ्यों से।आज के समाज में सबसे बड़ी चुनौती यही है कि हम अपने अनुभवों को ही अंतिम सत्य मान लेते हैं। हम यह भूल जाते हैं कि हमारा सच, किसी और का सच नहीं भी हो सकता। इसी भूल से टकराव, असहिष्णुता और सामाजिक तनाव जन्म लेते हैं। जब कोई व्यक्ति अपने अनुभव को सार्वभौमिक सत्य के रूप में प्रस्तुत करता है, तो वह अनजाने में दूसरों के अनुभवों को नकार देता है। यह नकार सामाजिक सामंजस्य को तोड़ने का काम करता है।

निजी अनुभव जीवन का अमूल्य खजाना होते हैं। वे हमें संवेदनशील बनाते हैं, परिपक्वता सिखाते हैं और हमारे व्यक्तित्व को आकार देते हैं। अनुभव ही वह माध्यम हैं जिनके जरिए इंसान कहानी कहता है, अपनी पीड़ा व्यक्त करता है और अपने आनंद को साझा करता है। साहित्य, कला, कविता और पत्रकारिता–सबकी जड़ में मानवीय अनुभव ही हैं। बिना अनुभव के अभिव्यक्ति खोखली हो जाती है। लेकिन समस्या तब पैदा होती है जब अनुभव को तर्क के ऊपर रख दिया जाता है। तर्क हमें व्यापक दृष्टि देता है। वह हमें व्यक्तिगत भावनाओं से ऊपर उठकर सोचने की क्षमता देता है। तर्क हमें यह समझने में मदद करता है कि किसी एक व्यक्ति का अनुभव, पूरे समाज का अनुभव नहीं हो सकता। उदाहरण के तौर पर, कोई व्यक्ति यह कहे कि 'मेरे साथ ऐसा हुआ, इसलिए दुनिया ऐसी ही है '–यह अनुभवजन्य सत्य हो सकता है, लेकिन तार्किक नहीं। तर्क पूछता है–क्या यह सभी के साथ हुआ? क्या परिस्थितियां समान थीं? क्या इसके अन्य पहलू भी हो सकते हैं?

आज सोशल मीडिया के दौर में अनुभव और तर्क का यह संघर्ष और भी तीव्र हो गया है। लोग अपने व्यक्तिगत अनुभवों को पूरे समाज पर थोपने लगे हैं। भावनात्मक पोस्ट, व्यक्तिगत पीड़ा और निजी सफलताओं को सामान्य नियम की तरह प्रस्तुत किया जा रहा है। जो असहमत होता है, उसे संवेदनहीन या शत्रु घोषित कर दिया जाता है। यह प्रवृत्ति लोकतांत्रिक संवाद के लिए खतरनाक है। समाज में सामंजस्य बनाए रखने के लिए यह जरूरी है कि हम दूसरों के अनुभवों का सम्मान करें, भले ही वे हमारे तर्क की कसौटी पर खरे न उतरते हों। सम्मान का अर्थ सहमति नहीं है। हम किसी के अनुभव को स्वीकार कर सकते हैं, बिना उसे अपना सत्य माने। यही परिपक्वता है। यह समझ कि 'आपका अनुभव आपका है, मेरा अनुभव मेरा है, और दोनों के बीच संवाद संभव है '–यही सामाजिक संतुलन की कुंजी है। दूसरी ओर, हमें यह भी समझना होगा कि अनुभव तर्क का विकल्प नहीं बन सकते। नीति निर्माण, सामाजिक निर्णय और सामूहिक निष्कर्ष केवल व्यक्तिगत अनुभवों के आधार पर नहीं किए जा सकते। वहाँ आंकड़े, अध्ययन, तर्क और व्यापक दृष्टिकोण आवश्यक हैं। अनुभव हमें दिशा दिखा सकते हैं, लेकिन रास्ता तर्क ही तय करता है। भारतीय दर्शन में 'मध्यम मार्ग' की अवधारणा इसी संतुलन की बात करती है। न तो केवल भावना, न ही केवल तर्क–बल्कि दोनों का समन्वय। बुद्ध ने भी अनुभव से सीखने की बात कही, लेकिन अंधविश्वास और अतिरेक से सावधान किया। यही शिक्षा आज भी उतनी ही प्रासंगिक है।

हमें अपने अनुभवों से सीखना चाहिए, उन्हें साझा करना चाहिए, ताकि दूसरे भी समझ सकें कि दुनिया कितनी विविध है। लेकिन साथ ही यह स्वीकार करना चाहिए कि हर अनुभव सीमित होता है। जब अनुभव विनम्रता के साथ साझा किए जाते हैं और तर्क के साथ जोड़े जाते हैं, तब वे समाज को जोड़ने का काम करते हैं। अन्यथा, वे विभाजन की दीवार बन जाते हैं। अंततः, एक स्वस्थ समाज वही है जहाँ अनुभव को सुना जाता है और तर्क को समझा जाता है। जहां भावनाओं का सम्मान होता है, लेकिन निर्णय विवेक से लिए जाते हैं। बारिश तब ही सुंदर लगती है जब हम यह समझ पाते हैं कि किसी के लिए वही बारिश परेशानी भी हो सकती है। यही समझ हमें इंसान बनाती है, और यही समझ समाज को आगे बढ़ाती है।

राष्ट्रपति से बाड़मेर कलेक्टर को मिला अवॉर्ड विवादों में:

आंकड़ों में गड़बड़ी का दावा; टीना डाबी बोलीं- JSJB और CTR अलग-अलग, जांच करवा रहे हैं

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बाड़मेर।

जल संरक्षण में राष्ट्रपति की ओर से बाड़मेर कलेक्टर को मिला 2 करोड़ रुपए का अवॉर्ड विवादों में आ गया है। अवॉर्ड को दिल्ली में बाड़मेर कलेक्टर टीना डाबी ने लिया था। लेकिन अब विभाग के दावों को लेकर सोशल मीडिया पर सवाल खड़े हुए हैं, जिसमें गड़बड़ी की आशंका जताई गई है। सोशल प्लेटफॉर्म एक्स पर कुछ पोस्ट में दावा किया गया है कि बाड़मेर की ओर से आंकड़ों में हेराफेरी की गई और एक ही फोटो को कई कामों में यूज कर पेश किया गया। मामला सामने आने के बाद बाड़मेर कलेक्टर टीना डाबी ने मंगलवार शाम को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें सफाई देते हुए सवाल उठाने वाली पोस्ट को भ्रामक और फर्जी बताया है।

जल संरक्षण संरचनाओं के लिए मिला था अवॉर्ड

बाड़मेर जिले को जल संचय जन भागीदारी कार्यक्रम के तहत 79 हजार से अधिक जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण और जन भागीदारी के लिए प्रथम पुरस्कार मिला था। यह सम्मान 18 नवंबर 2025 को नई दिल्ली

के विज्ञान भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रदान किया थाद्य अवॉर्ड के दौरान 2 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि भी दी गई थी। उनके अनुसार- पुरस्कार का आधार जल संचय जन भागीदारी कार्यक्रम के पोर्टल पर ब्लॉक और जिला स्तर पर सत्यापित किए गए आंकड़े और फोटो हैं। कलेक्टर टीना डाबी ने बताया कि बाड़मेर जिले को जल संचय जन भागीदारी प्रोग्राम है। इसके तहत पुरस्कार महामहिम राष्ट्रपति की ओर मिला था। पानी इकट्?ठा करने की दिशा में 2 करोड़ रुपए की राशि भी अवॉर्ड के रूप में मिली थी। उन्होंने दावा किया कि सोशल मीडिया पर जो पोस्ट लिखी गई है, वह भ्रामक लिखी गई है। सोशल प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट हमारे संज्ञान में आई है, जिसमें स्क्रीन शॉर्ट लगाए गए है। पोस्ट में काम और फोटो को लेकर सवाल खड़े किए गए है। साथ ही दावा किया है कि अलग-अलग काम पर एक ही फोटो प्रदर्शित करके ज्यादा काम दिखाएं गए हैं।

धोरीमन्ना, चौहटन और बाड़मेर ग्रामीण अपलोड फोटो चेक करवाए जा रहें

जल शक्ति अभियान के तहत कैच द रेन (JSA-CTR) पोर्टल के स्क्रीनशॉट दिखाकर दावा किया गया कि अपलोड फोटो डुप्लीकेट या फर्जी हैं। जिला कलेक्टर टीना डाबी ने स्पष्ट किया कि JSJB (जल संचय जन भागीदारी) और CTR दो पूरी तरह अलग पोर्टल और कार्यक्रम हैं। कैच द रन पोर्टल में हमारे तीन ब्लॉक धोरीमन्ना, चौहटन और बाड़मेर ग्रामीण बीडीओ उनके अंडर वाले कर्मचारियों की ओर से अलग-अलग काम में एक ही फोटो अपलोड कर दी गई है। ऐसा पकड़ में आया है, उसे हमें चैक करवा रहे हैं। अगर उसमें कोई गलत फोटो अपलोड किया गया है, तो बीडीओ से उसे ठीक करवाया जाएगा, जो अधिकारी और कर्मचारी दोषी होगा, उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। बता दें कि JSJB पर दिखाए गए आंकड़ों के अनुसार अवॉर्ड के दौरान बाड़मेर में CTR के पूरे हुए काम 79055 और प्रगतिरत काम 12477 बताए गए थे। कुल 91532 काम थे।

कलेक्टर बोलीं- 2 प्रोग्राम, दोनों अलग- अलग, इसलिए पोस्ट भ्रामक

विवाद पर सफाई देते हुए जिला कलेक्टर टीना डाबी ने कहा- 6 सितंबर 2024 को जल संचय जन भागीदारी प्रोग्राम गुजरात के सूरत में पीएम नरेंद्र मोदी जल संचय जन भागीदारी प्रोग्राम की शुरूआत की थी। मैंने प्रोग्राम के साथ सब प्रोग्राम शुरू किया था। सोशल मीडिया पर जो फोटोग्राफ चल रहे है, वह जलशक्ति अभियान पोर्टल के है। जबकि जिस पर हमें पुरस्कार मिला है, वो जल संचय जन भागीदारी है। बिना आधार के दोनों को लिंक किया जा रहा है।

पानी की किल्लत से त्रस्त कर्मचारी कॉलोनीवासियों ने सौंपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नोखा।

सोहनलाल परिहार । कर्मचारी कॉलोनी में लंबे समय से जारी पेयजल संकट को लेकर मंगलवार को कर्मचारी कॉलोनी जागरूक संस्थान का एक प्रतिनिधिमंडल उपखण्ड अधिकारी कार्यालय पहुंचा और समस्या से अवगत कराते हुए ज्ञापन सौंपा। संस्थान के अध्यक्ष अरविंद गौड़ ने बताया कि ट्यूबवेल नंबर 4 पिछले दस दिनों से बंद पड़ा है। वहीं, तीन-तीन ट्यूबवेल होने के बावजूद मोहल्लेवासी पेयजल को तरस रहे हैं। पूर्व में भी सप्ताह में केवल एक बार ही पानी की आपूर्ति होती थी, जिससे मजबूरी में महंगे दामों पर निजी टैंकरों से पानी मंगवाना पड़ता है, जो हर परिवार के लिए संभव नहीं है। उन्होंने बताया कि पहले इन ट्यूबवेलों से चार

स्थानों पर जलापूर्ति की जाती थी, जबकि वर्तमान में छह स्थानों पर आपूर्ति होने से दबाव बढ़ गया है और कॉलोनी में भारी जल संकट उत्पन्न हो गया है। प्रतिनिधिमंडल ने अतिशीघ्र पेयजल आपूर्ति सुचारू कराने की मांग की। ज्ञापन सौंपने वालों में रामेश्वरलाल उपाध्याय, मुन्नालाल शर्मा, गणेश तालणिया, रमेश सोनी, महेश आचार्य, भंवरलाल, ओमप्रकाश, शंकरलाल सोनी, फूसाराम, आकाश, शिवदयाल सिंह, ब्रह्मप्रकाश तंवर सहित संस्थान के कार्यकर्ता व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मण्डावा: बांग्लादेश के खिलाफ एसडीएम को प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मण्डावा।

मंडावा में सोमवार को बांग्लादेश के खिलाफ एसडीएम ज्ञापन से पहले मंडावा सुभाष चौक पर सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया और रैली का शुभारंभ किया रैली में बैनर व तख्तियां थीं, सनातन सेवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव ओम मिश्रा, प्रदेश अध्यक्ष विनोद प्रजापति तथा सीकर संभाग प्रभारी मनोज सहल के निर्देशानुसार मंडावा तहसील अध्यक्ष जुगल किशोर शास्त्री पाटोदा, उपाध्यक्ष राहुल मिश्रा द्वारा एसडीम को ज्ञापन सोंपा गया। जुगल किशोर शास्त्री ने कहा कि सनातन सेवा न्यास मंडावा प्रधानमंत्री से आग्रह करता है कि बांग्लादेश के खिलाफ कड़े कदम उठाकर हिंदू अल्पसंख्यकों को न्याय दिलाए इस अवसर पर युवा नेता अमित मीणा,

राहुल सैनी, सुमित सैनी, चेतन शास्त्री, रामस्वरूप भूतिया, सुमित , छगन, संदीप सैनी आर्यन तथा दीनदयाल सैनी, विजय कुमार देवड़ा, पवन पत्रकार, विष्णु शेखावत, राधेश्याम कुमावत सहित बड़ी संख्या में मंडावा के लोग और समूह के सदस्य शामिल रहें। रैली के दौरान बांग्लादेश मुर्दाबाद, दीपू चंद्र दास को न्याय मिले आदि नारे लगाए गये इसके बाद एसडीएम कार्यालय में एसडीएम मुनेशी कुमारी ने सनातन सेवा न्यास की बात प्रधानमंत्री महोदय तक पहुंचाने की बात कही और अंत में सनातन सेवा न्यास तहसील अध्यक्ष जुगल किशोर शास्त्री की तरफ से सभी का धन्यवाद ज्ञात किया गया।

SFI ने मनाया 56वां स्थापना दिवसः पार्टी कार्यालय पर झंडारोहण किया, नई शिक्षा नीति रद्द करने की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज

नीमकाथाना । छात्र संगठन स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (SFI) ने आज अपना 56वां स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर पार्टी कार्यालय में झंडारोहण किया गया और विभिन्न छात्र मांगों को लेकर नारेबाजी की गई। जिला महासचिव विक्रम यादव ने बताया कि स्थापना दिवस कार्यक्रम की शुरुआत एसएफआई के झंडारोहण के साथ हुई। केंद्रीय विश्वविद्यालय सदस्य नीरज मेहला मुख्य अतिथि और पूर्व केंद्रीय कमेटी सदस्य छात्रा संयोजक बबलेश वर्मा विशिष्ट अतिथि रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विष्णु कुमार नायक ने की।

सरदारशहर में देवासर माइनर पर किसानों का धरना:

घटिया सामग्री के इस्तेमाल का आरोप, बोले-दर्ज मामले वापस लिए जाएं

भीम प्रज्ञा न्यूज

सरदारशहर । सरदारशहर में देवासर माइनर पर किसानों का धरना तीसरे दिन भी जारी रहा। अखिल भारतीय किसान सभा के नेतृत्व में किसान घटिया सामग्री के उपयोग और किसानों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। किसानों की मुख्य मांग है कि जब तक उन पर दर्ज मुकदमे वापस नहीं लिए जाते, तब तक धरना जारी

रहेगा।किसान नेता और तहसील अध्यक्ष रामकरण भाम्भू ने बताया कि देवासर माइनर के निर्माण में घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहा है। जब किसानों ने ठेकेदार की शिकायत की, तो उनके खिलाफ राजकार्य में बाधा डालने का मामला दर्ज कर लिया गया।

एक अन्य किसान नेता रामकृष्ण छिम्पा ने चेतावनी दी कि यदि जांच के बाद माइनर के निर्माण में अच्छी गुणवत्ता वाली सामग्री का उपयोग सुनिश्चित नहीं किया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

1 और 2 जनवरी को करेंगे प्रदर्शन

धरने पर मौजूद किसानों ने घोषणा की कि 1 जनवरी को नहर मंत्री का पुतला जलाकर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद, 2 जनवरी को सरदारशहर उपखंड अधिकारी कार्यालय का घेराव किया जाएगा, जिसमें पूरे उपखंड क्षेत्र के किसान भाग लेंगे।

ये रहे मौजूद

धरने के तीसरे दिन किसान सभा अध्यक्ष भगवानाराम जाखड़, भानीपुरा तहसील मंत्री साँवरमल मेघवाल, मानाराम पोटलिया, मोतीलाल स्वामी, महावीर कुलहरी, फुसाराम पोटलिया, भजनलाल, लालचंद चौधरी, लालचंद वेद, राजेंद्र सारण और नरेश सारण सहित सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

टोहाना एसडीएम आकाश शर्मा ने एग्री स्टैक पंजीकरण शिविरों का किया निरीक्षण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना/कुलां।

रजत विजय रंगा । कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा डिजिटल मिशन के अंतर्गत संचालित एग्री स्टैक परियोजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विभिन्न गांवों में विशेष पंजीकरण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। एसडीएम आकाश शर्मा ने मंगलवार को गांव सल्लेमपुरी, कुलां और चंदड़ में चल रहे इन शिविरों का निरीक्षण किया तथा मौके पर मौजूद अधिकारियों व कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान एसडीएम आकाश शर्मा ने शिविरों में मौजूद किसानों से संवाद किया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि पंजीकरण के दौरान किसानों के भूमि रिकॉर्ड एवं आधार विवरण का सत्यापन पूरी सावधानी और पारदर्शिता के साथ किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि गांव के सभी किसानों का

पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि कोई भी किसान सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रह जाए। उन्होंने अधिकारियों से अब तक हुए पंजीकरण की प्रगति की विस्तृत जानकारी भी प्राप्त की तथा शेष बचे किसानों के पंजीकरण की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्धारित लक्ष्य को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए और इसके लिए कार्य में और तेजी लाई जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया कि पंजीकरण प्रक्रिया के दौरान किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा प्रत्येक किसान को सहयोगात्मक और सुचारू सेवा उपलब्ध कराई जाए। एसडीएम ने कहा कि एग्री स्टैक परियोजना आधुनिक और डिजिटल कृषि व्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस योजना के तहत प्रत्येक किसान की एक विशिष्ट डिजिटल पहचान तैयार की जा रही है। इसके माध्यम से किसानों को खाद, बीज, सब्सिडी, फसल बीमा तथा अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से सीधे प्राप्त हो सकेगा।

कॉरपोरेट सैलेरी पैकेज के तहत क्षतिपूर्ति के रूप में सौंपा 1 करोड 10 लाख का चैक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

भारतीय स्टेट बैंक व अजमेर विधुत वितरण निगम लिमिटेड के मध्य एम.ओ.यू. के अनुसार सडक दुर्घटना में मृतक स्व. विनोद कुमार जांगिड, कनिष्ठ अभियंता कार्यालय अधीक्षण अभियंता (झु.वृ.) अविविनिलि झुंझुनूं की पत्नी सुनिता जांगिड एवं उनके परिवारजनो को 1 करोड 10 लाख का चैक

कॉरपोरेट सैलेरी पैकेज के तहत क्षतिपूर्ति के रूप में भारतीय स्टेट बैंक झुंझुनूं के अधिकारी हेमन्त शर्मा, मुख्य प्रबंधक भजन लाल, एवं प्रबंधक राहुल कुमार द्वारा अधीक्षण अभियंता (झुं.वृ.) महेश कुमार टीबडा, अधिशाषी अभियंता एस. के.अग्रवाल एवं अधिशाषी अभियंता वी.पी. लालपुरिया की उपस्थिति में प्रदान किया गया।

ऑल टाइम फेवरिट वियर है डेनिम जैकेट

डेनिम जैकेट को कैरी करने का एक आसान और स्टाइलिश तरीका है, इसे जींस के साथ कैरी करना। यह एक ऐसा लुक है, जिसे केजुअल से लेकर आउटिंग में कैरी किया जा सकता है। आप व्हाइट या ब्लैक टी के साथ ब्लू जींस और डेनिम जैकेट पहन सकती हैं।

डेनिम जैकेट एक ऐसा वियर है, जो ऑल टाइम फेवरिट है। किसी भी मौसम में डेनिम जैकेट को बेहद आसानी से कैरी किया जा सकता है। इस कपड़े की खासियत यह है कि आप इसे कई तरह से कैरी कर सकती हैं और हर बार एक डिफरेंट लुक पा सकती हैं। अगर आपके वार्डरोब में भी ब्लू डेनिम जैकेट है और आप उसे हर बार एक ही तरह से स्टाइल करती हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको डेनिम जैकेट को स्टाइल करने के अलग-अलग तरीकों के बारे में बता रहे हैं-

फैशन एक्सपर्ट बताते हैं कि डेनिम जैकेट को कैरी करने का एक आसान और स्टाइलिश तरीका है, इसे जींस के साथ कैरी करना। यह एक ऐसा लुक है, जिसे केजुअल से लेकर आउटिंग में कैरी किया जा सकता है। आप व्हाइट या ब्लैक टी के साथ ब्लू जींस और डेनिम जैकेट पहन सकती हैं। अगर आप थोड़ा एक्सपेरिमेंटल होना चाहती हैं तो ऐसे में जैकेट पर पैच वर्क भी किया जा सकता है। फेमिनिन लुक के लिए आप इसके साथ सैंडल्स को पेयर करें। वहीं अगर आप स्पोर्टी टच चाहती हैं तो ऐसे में आप स्नीकर्स को स्टाइल कर सकती हैं। फैशन एक्सपर्ट के अनुसार, यंग गर्ल्स पर इस तरह का स्टाइल काफी अच्छा लगता है। इसके लिए आप प्रिंटेड टीशर्ट के साथ शॉर्ट स्कर्ट पेयर करें। अपने आउटफिट की लेयरिंग के लिए आप डेनिम जैकेट को पहनें। इसके साथ लॉन्ग स्टेटमेंट ईयररिंग्स या बीड्स नेकपीस को स्टाइल करना अच्छा रहेगा।

लॉन्ग स्कर्ट के साथ करें स्टाइल

फैशन एक्सपर्ट के अनुसार, यह स्टाइल हर उम्र की महिला पर अच्छा लगता है और इसमें आप काफी कुछ कर सकती हैं। मसलन, अगर आप कलर ब्लॉकिंग करना चाहती हैं तो ऐसे में आप व्हाइट या ब्लैक टॉप के साथ किसी ब्राइट कलर की लॉन्ग स्कर्ट को पेयर करें। वहीं अपने लुक में स्टक्चर एड करने के लिए आप बेल्ट का सहारा भी ले सकती हैं। आखिरी में आप क्रॉप स्टाइल डेनिम जैकेट को पेयर करें। यह लुक एकदम क्लासी लगता है और कभी भी टेंड से आउट नहीं होता।

अपने साथ कई सारी उम्मीदें, प्यार व एक्साइटमेंट लेकर आता है रिश्ता

एक रिश्ता अपने साथ कई सारी उम्मीदें, प्यार व एक्साइटमेंट लेकर आता है। किसी के साथ एक रिश्ते में जुड़ने पर यकीनन आप कुछ अलग व खास महसूस कर रही होंगी। लेकिन इस प्यार भरी फीलिंग के बीच जरूरी है एक-दूसरे को समझना। एक रिश्ते को मजबूत होने और आपसी समझ विकसित होने में थोड़ा वक्त लगता है और यह केवल तभी संभव है, जब आप एक-दूसरे को अच्छी तरह जानते व समझते हों। जब आप ऐसा करने में सक्षम हो जाते हैं तो इससे आपके रिश्ते को एक मजबूती और स्थिरता मिलती है। अब सवाल यह उठता है कि एक नए रिलेशनशिप में अपने पार्टनर को बेहतर तरीके से समझने के लिए आप क्या करें। इसके लिए आपको कुछ कदम उठाने की जरूरत है। हालांकि यह उतना मुश्किल भी नहीं है। अगर आप अपने पार्टनर से कुछ सवाल पूछती हैं तो इससे आपको अपने पार्टनर को समझने में आसानी होती है। तो चलिए आज हम आपको ऐसे ही कुछ सवालों के बारे में बता रहे हैं, जो आपको एक न्यू रिलेशन में जरूर पूछने चाहिए

आपकी बकेट लिस्ट में क्या है?

हर किसी के पास उन चीजों की एक सूची होती है जिन्हें वे अपने जीवन में करना चाहते हैं। भले ही उन्होंने वास्तव में इसके लिए पहले से तैयारी की हो या नहीं। लेकिन फिर भी उनके कुछ सपने जरूर होते हैं। इस सवाल से आपको अपने पार्टनर के सपनों को समझने में आसानी होगी। आपको समझ में आएगा कि वह अपने जीवन से क्या चाहते हैं। इस तरह आप कहीं ना कहीं अपने और उनके सपनों की कम्पैटिबिलिटी को भी चेक कर सकती हैं।

आप हमेशा कहाँ घूमना चाहते हैं?

जब आप अपने पार्टनर से उनके ट्रेवल प्लॉन और ट्रेवल संबंधित पसंद के बारे में पूछती हैं तो इससे आपको समझ में आता है कि उन्हें कैसी जगहें अधिक पसंद है। मसलन, उन्हें गर्मी पसंद है या ठंड। क्या उन्हें शहरों में घूमना अच्छा लगता है या फिर बीच पसंद है या फिर वह वाइल्ड लाइफ को अधिक प्राथमिकता देते हैं। इससे आपको एक साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करने में भी मदद मिलती है। साथ ही आपको उनके व्यक्तित्व के बारे में भी पता चलता है।

अगर आप अपने बारे में एक चीज बदल सकते हैं, तो यह क्या होगा?

यह एक बेहद ही दिलचस्प सवाल है और जब आप अपने पार्टनर से यह सवाल पूछती हैं तो इससे आपको पता चलता है कि क्या वह खुद में बदलाव कर सकते हैं। दूसरे शब्दो में, आपके साथी में खुद के बारे में कुछ बदलने की शक्ति है या नहीं। दरअसल, एक रिलेशन को सक्सेसफुल बनाने के लिए कई बार खुद में कई बदलाव करने पड़ते हैं और यह तभी संभव है, जब आपमें वह शक्ति हो।

क्या आप भविष्य में बच्चे चाहते हैं?

यह एक बेहद ही सामान्य प्रश्न लगता है, लेकिन अगर आप अपने पार्टनर के साथ अपनी पूरी लाइफ देख रही हैं तो ऐसे में यह सवाल जरूर पूछना चाहिए। इससे आपको यह समझने में आसानी होगी कि अपनी फैमिली प्लानिंग और मैरिज के लेकर उनके क्या प्लॉन है या फिर जब आप उनसे शादी करेंगी तो आप दोनों का एक-दूसरे के करियर और फैमिली प्लॉनिंग के बीच क्या रवैया होगा।

किस चीज ने आपको सबसे पहले आकर्षित किया?

यह कोई संदेह नहीं है कि यह सवाल आपके पार्टनर को एक बार के लिए आश्चर्यचकित जरूर करेगा। हो सकता है कि आपके सवाल पूछने से वह हैरान हो जाएं। लेकिन इससे आपको अपनी छिपी हुई क्वालिटीज को जानने में मदद मिलेगी। वैसे हो सकता है कि आपका पार्टनर भी आपसे यह सवाल पूछ लें, इसलिए आप भी अपने पार्टनर को इसका जवाब देने के लिए तैयार रहें।

पौधों में चाहिए ज्यादा फल और फूल तो अपनाएं ये आसान गार्डनिंग हैक्स

अगर आप गार्डनिंग के बारे में सोचकर परेशान हो रहे हैं तो ये कुछ आसान टिप्स आपके गार्डन को इस मौसम में भी हरा-भरा रखेंगी।

इस मौसम में स्किन से लेकर गार्डन तक और किचन से लेकर बाथरूम तक हमें कई समस्याओं से जूझना पड़ता है। इस मौसम में हमारे गार्डन के पौधे भी खराब होने लगते हैं और ये वो समय है जब कई लोगों की शिकायत होती है कि कितनी भी मेहनत कर लें पर न तो पौधों में फल आते हैं, न ही फूल आते हैं। इस तरह की समस्या से बचने के लिए आप कुछ टिप्स का इस्तेमाल कर सकते हैं। ये टिप्स आपके पौधों को कई सारी समस्याओं से बचा सकती हैं। गर्डनिंग करते समय आपको इन बातों का ध्यान रखना होगा कि ये मौसम बहुत खराब होता है और पौधों को पूरी तरह से झुलसा सकता है इसलिए अगर कोई नया पौधा इस सीजन में लगाने के बारे में सोच रही हैं तो वो लगाएं जो इसी सीजन के हों। कैक्टस, समर फ्लावर, हर्ब्स, नींबू, लिली बल्ब्स आदि इस सीजन में लगाए जा सकते हैं। जो पौधे पहले से ही लगे हुए हैं उनके लिए कुछ खास टिप्स फॉलो करें।

पौधों के लिए शेड बनाएं

ये सबसे आसान और सबसे असरदार ट्रिक साबित हो सकती है जिससे आप अपने पौधों को बचा सकती हैं। ये आपके गार्डन के लिए एक अच्छा मौका हो सकता है। आप शेड क्लॉथ में इन्वेस्ट करें। ये ऑफलाइन और ऑनलाइन दोनों ही स्टोर्स पर उपलब्ध होते हैं। आपके गार्डन एरिया में कितनी और किस समय धूप आती है इसपर ध्यान देते हुए शेड क्लॉथ की थिकनेस और फैब्रिक का ध्यान रखें। ऐसे सभी पौधे जिन्हें बहुत ज्यादा धूप की जरूरत नहीं होती है उन्हें आप हमेशा शेड के अंदर ही रखें। मॉर्निंग में धूप लगे तो कोई बात नहीं, लेकिन दोपहर की कड़ी धूप में ये पौधे शेड के अंदर होने चाहिए। पौधों की पत्तियां अगर जल जाएंगी तो उनके फूल और फल नहीं आएंगे।

पौधों को पानी देने का समय ध्यान रखें

लोगों को लगता है कि जब बहुत धूप होती है तब पानी डालना चाहिए ताकि पौधों को ठंडक मिल सके, लेकिन ये सबसे खराब चीज़ है और इससे कई बार पौधे मर भी सकते हैं। दरअसल, पौधों को पानी देने का सही समय सुबह 10 बजे से पहले या फिर शाम को 4 बजे के बाद होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि दोपहर में अगर मिट्टी में पानी भरा हुआ रहेगा तो धूप से पानी के भाप बनने का प्रोसेस शुरू हो जाएगा। ऐसे समय में पौधे न तो पानी एब्जॉर्ब ठीक से कर पाते हैं और उनकी जड़ें सड़ने या फिर ज्यादा गर्मी के कारण उनके खराब होने की गुंजाइश ज्यादा रहती है।

पानी का शावर

ये समय सिर्फ रूट्स को ही पानी देने का नहीं होता बल्कि आपको पत्तियों को भी साफ करना होता है। ऐसे समय में आपको स्प्रिंकलर का इस्तेमाल करना चाहिए। ये न सिर्फ गर्मियों के कीड़ों को दूर रखता है बल्कि इससे आपके पौधों की पत्तियों की सफाई भी हो जाती है।

मिट्टी का मॉइश्चर बरकरार रखें

इसके लिए आप कोकोपीट, वर्मी कम्पोस्ट, रेत और गार्डन सॉइल का अच्छा मिक्सचर बनाएं। ये पानी में मॉइश्चर बनाकर रखने में कामयाब होगा और ये ज्यादा समय तक मिट्टी को पोषण दे पाएगा। आप मिट्टी में फास्फोरस और नाइट्रोजन रिच फर्टिलाइजर भी मिला सकती हैं। जिप्सम सॉल्ट आदि मिलाने के लिए भी ट्राई करें। साथ ही नीम पाउडर की मिलावट भी की जा सकती है जिससे कीड़े दूर रहें।

पानी की बोतलों को नया जैसा बनाने के लिए लें इन ट्रिक्स की मदद

घर की हर एक चीज समय-समय पर गंदी हो जाती है। इन दिनों गर्मियों का मौसम है। ऐसे में पानी की बोतल भी एक समय के बाद पुरानी और खराब दिखने लग जाती हैं। अगर आप गंदे पानी की बोतल को आसानी से साफ करना चाहते हैं तो इस आर्टिकल में दिए गए हैक्स की मदद लें। इससे आपकी बोतल पर लगी गंदगी तो साफ होगी ही। साथ ही बोतलें चमक भी उठेंगी।

पानी की बोतल को साफ करने के लिए सिरके का घोल आपकी बहुत मदद कर सकता है। इससे बोतल पर लगे वो दाग भी हट जाते हैं जो साबुन से नहीं हटते हैं। सबसे पहले गुनगुना पानी लें और उसमें 3-4 चम्मच सिरका डालें। अब लिक्विड में 1 चम्मच बेकिंग पाउडर डालें और अच्छे से घोल तैयार कर लें। अब इस घोल को बोतल में डालें और कुछ देर के लिए रखा रहने दें। फिर बोतल को बाहर और अंदर से अच्छे से साफ करें। आपकी बोतल एक बार फिर चमक उठेगी।

डिटर्जेंट का बनाएं घोल

गंदी पानी की बोतलों को साफ करने के लिए आप डिटर्जेंट का घोल भी बना सकते हैं। डिटर्जेंट का घोल बहुत स्ट्रांग होती है जो बोतलों के जिद्दी दागों को आसानी से साफ कर देता है।

बोतल की बदबू कैसे करें दूर

कई बार बोतलों से बदबू आने लग जाती है जिसे साफ करने के लिए आपको बोतल में गर्मा-गर्म पानी डालना है। इससे बोतल की बदबू दूर हो जाती है और आप दोबारा बोतल को यूज कर सकते हैं।

अक्सर किचन के सिंक के नीचे मौजूद खाली जगह को लोग घर के बेकार समान को स्टोर करने के लिए इस्तेमाल करते हैं। लेकिन किचन को ऑर्गेनाइज रखने और अनावश्यक नुकसान को रोकने के लिए कुछ खास चीजों को किचन सिंक के नीचे स्टोर करने से बचना चाहिए। किचन सिंक के नीचे ड्रिल्स, रिंचेस या फिर अन्य टूल्स को स्टोर करने की आदत आपकी चीजें खराब कर सकती हैं।

केमिकल प्रोडक्ट्स

किचन सिंक के नीचे लोग डस्टबीन के साथ अक्सर कैमिकल प्रोडक्ट्स जैसे ब्लीच, ड्रेन क्लीनर को भी स्टोर कर देते हैं। लेकिन ऐसा बिल्कुल न करें, इन कैमिकल प्रोडक्ट्स के गिरने से यह पूरे घर में फैलकर बच्चों, पेट्स या घर के बाकी सदस्यों को भी नुकसान पहुंच सकता है।

किचन सिंक के नीचे ये चीजें स्टोर करने से बचें

बैकअप आइटम

बैकअप आइटम रखने के लिए किचन सिंक के नीचे की ही जगह ज्यादातर इस्तेमाल की जाती है। लेकिन ऐसा करते समय लंबे समय तक लोग इस जगह की साफ-सफाई करना भूल जाते हैं। जिसकी वजह से यहां जर्म्स और बैक्टीरिया पनपने लगते हैं।

टूल्स

किचन सिंक के नीचे ड्रिल्स, रिंचेस या फिर अन्य टूल्स को स्टोर करने की आदत आपकी चीजें खराब कर सकती हैं। कई बार सिंक से पानी लीक होने पर नीचे रखे इन टूल्स में जंग लग सकता है, जिससे यह जल्दी खराब हो सकते हैं।

ऑयल रैग्स

आग लगने वाले आइटम जैसे थिनर, पॉलिश, पेंट या फर्नीचर पॉलिश आदि किचन सिंक के नीचे स्टोर न करें। ऐसा करने से कई बार आग लगने का खतरा बना रहता है। ऐसे में इन चीजों को ऐसी जगह पर रखें जहां इनके गिरने और फैलने का खतरा कम रहे।

15वीं राज्य स्तरीय पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता में झुंझुनू के सुरेश कुमार को मिला सिल्वर मेडल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

श्रीगंगानगर में 27 दिसंबर से 30 दिसंबर तक आयोजित हुई 15वीं राज्य स्तरीय पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह प्रतियोगिता राज्य स्तरीय चैंपियनशिप सत्र 2025-26 के अंतर्गत आयोजित हुई। इस प्रतियोगिता में जिले के खेतड़ी तहसील के सुनारी गांव के निवासी सुरेश कुमार चैधरी ने एफ-54 एफ-55 एफ-57 संयुक्त श्रेणी में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रजत (सिल्वर) पदक प्राप्त किया। सुरेश कुमार अपनी व्यक्तिगत कैटेगरी में प्रथम स्थान पर रहे, लेकिन संयुक्त कैटेगरी के कुल अंकों (कंबाइंड पॉइंट्स) के आधार पर उन्हें सिल्वर मेडल प्राप्त हुआ। इस अवसर पर जिला कलेक्टर झुंझुनू डॉ. अरुण गर्ग द्वारा सुरेश कुमार को मेडल पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर सम्मानित किया गया तथा नेशनल प्रतियोगिता के लिए अग्रिम बधाई दी गई। इस दौरान भू-अभिलेख कलेक्ट्रेट कार्यालय झुंझुनू में भी इनका स्वागत किया गया, जहां वे कनिष्ठ सहायक पद पर कार्यरत हैं। इस प्रतियोगिता के उपरांत सुरेश कुमार का चयन राष्ट्रीय स्तर (नेशनल) प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई हो गया है। सुरेश कुमार वर्तमान में स्वर्ण जयंती स्टेडियम, झुंझुनू में कोच विशाल कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में नियमित प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। सुरेश कुमार ने बताया कि 'मेरे कार्यालय द्वारा खेलों के प्रति मुझे निरंतर सहयोग मिलता है, इसी सहयोग के कारण मैं यह पदक प्राप्त कर सका।'

राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना 2022 एवं 2024 की जिला स्तरीय समिति की समीक्षा बैठक

पूर्ण तैयारी के साथ नहीं आने पर जिला कलेक्टर हुई नाराज, बैठक की स्थगित

जिला कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को पूर्ण तैयारी के साथ आने के दिए सख्त निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना 2022 एवं 2024 की जिला स्तरीय समिति की मासिक समीक्षा बैठक मंगलवार को जिला कलेक्टर श्रीमती नम्रता वृष्णि की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। जिसमें राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना 2022 के अंतर्गत 02 प्रकरणों और राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना 2024 के तहत तीन प्रकरणों की समीक्षा होनी थी। लेकिन राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना 2022 के अंतर्गत दो प्रकरणों की समीक्षा के दौरान ही जिला उद्योग केंद्र के अधिकारियों को नियमों की पूर्ण जानकारी नहीं होने पर जिला कलेक्टर ने नाराजगी जाहिर करते हुए बैठक स्थगित कर दी और पूर्ण तैयारी के साथ आने के सख्त निर्देश दिए। दरअसल, बैठक में जिला उद्योग केन्द्र के उपायुक्त श्री सुरेन्द्र कुमार ने राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना 2022 के अंतर्गत मैसर्स मां करणी कोटन फैक्टरी द्वारा प्रथम बिल मुख्य उत्पाद कॉटन जिनिंग एवं प्रोसेसिंग का देने के बजाय बिनौला व बारदाना के गौण बिल प्रस्तुत करने पर जिला कलेक्टर ने नियमों के बारे में पूछा। साथ ही मैसर्स आर के फ़र्टिलाइज़र द्वारा राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल से कॉन्सेन्ट टू ऑपरेट प्राप्त किये बिना ही उत्पादन प्रारम्भ किये जाने पर भी जब जिला कलेक्टर ने नियमों की जानकारी चाही तो उद्योग विभाग के अधिकारियों को नियमों की पूरी जानकारी नहीं होने पर जिला कलेक्टर ने नाराजगी जाहिर करते हुए बैठक ही स्थगित कर दी और पूर्ण तैयारी के साथ आने के सख्त निर्देश दिए। विदित है कि राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना 2022 एवं 2024 के तहत संबंधित फर्मों को मंडी फीस और इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी में छूट, इनवेस्टमेंट सब्सिडी इत्यादि मिलती है। बैठक में जिला उद्योग केन्द्र के उपायुक्त सुरेन्द्र कुमार, जिला उद्योग अधिकारी सोहनलाल, स्टेट जीएसटी से गोविंद चौहान, कृषि उपज मंडी समिति अनाज के सहायक लेखाधिकारी द्वितीय रामनिवास समेत जिला उद्योग केन्द्र के अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे।

400 वर्ष पुराने प्राचीन बालाजी मंदिर का जीर्णोद्धार कार्य शुरू, भामाशाहों सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज.चौमूं।

सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया । शहर में बस स्टैंड, मोरीजा रोड गणगौरी चौक के पास स्थित चार सौ वर्ष पुराने प्राचीन श्री पान वाले बालाजी मंदिर के जीर्णोद्धार के कार्य की शुरुआत पूर्व विधायक रामलाल शर्मा के द्वारा करवाई गई। मंदिर निर्माण की साढे चार सौ वर्ग फुट छत निर्माण के लिए लोहा, दो सौ कट्टे सीमेंट, दो डंपर रोड़ी, बजरी के सहयोग देने वाले भामाशाहों सिक्किम राज्यपाल के निजी सचिव विजय शर्मा, डॉ. जेपी सैनी, गोविंद बजाज, गोपाल लाल शेरावत, जनरल फैंसी एवं फुटवियर व्यापार मंडल के अध्यक्ष पवन सैनी, सेवानिवृत्त शिक्षाविद हजारीलाल शर्मा, एडवोकेट मनुवत्सल भारद्वाज, समाजसेवी कैलाश तिवाड़ी, संदीप कुमावत का सिंदूर तिलक लगाकर एवं दुपट्टा पहनाकर मंदिर पुजारी बिरदी चंद स्वामी, विनोद स्वामी एवं नगरपालिका की पूर्व पार्षद सरोज स्वामी के द्वारा स्वागत एवं सम्मान किया गया।

जयपुर-दिल्ली नेशनल हाइवे पर हादसा; चालक को आया दिल का दौरा, कार पेड़ से टकराई, दो घायल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । नीमराना उपखंड क्षेत्र के शाहजहांपुर मे मंगलवार सुबह करीब 9 बजे वीडियोकॉन कंपनी के सामने राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर एक गंभीर सड़क हादसा हो गया। जयपुर से दिल्ली की ओर जा रही कार के चालक सर्वजीत सिंह (54 वर्ष), निवासी पंजाब को अचानक दिल का दौरा पड़ गया, जिससे कार असंतुलित होकर बीच डिवाइडर पर लगे पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के समय कार में संदीप (38 वर्ष), निवासी भिवानी भी सवार थे। दुर्घटना में सर्वजीत सिंह के हाथ और पैर में फ्रैक्चर होना बताया जा रहा है, जबकि संदीप को मामूली चोटें आई हैं। चालक सर्वजीत के सिर में भी गंभीर चोट आई। दोनों घायलों को तुरंत निजी वाहन से नीमराना अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद सर्वजीत की हालत नाजुक देखते हुए उन्हें जयपुर रेफर कर दिया गया। दुर्घटना के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया और यातायात प्रभावित हुआ। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे राहुल सिंह ने हाइड्रा क्रेन की सहायता से क्षतिग्रस्त कार को सड़क से हटवाया, जिसके बाद यातायात व्यवस्था बहाल की जा सकी। जानकारी के अनुसार, घायल सर्वजीत सिंह और संदीप दोनों एएलपी कंपनी के कर्मचारी हैं और हादसे के समय कंपनी जा रहे थे।

एडीएम ने किया रैन बसेरो का निरीक्षण

पॉलिथीन मुक्त को लेकर के नगरपालिका मे कैरी बैंग भी किये वितरित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.अजीतगढ़।

नीमकाथाना अतिरिक्त जिला कलक्टर भागीरथ साख ने मंगलवार को अजीतगढ़ नगर पालिका एवं उप तहसील मे वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर ने नगर पालिका परिसर में संचालित रेन बसेरो का भी निरीक्षण किया। साथ ही नगर पालिका में पॉलिथीन मुक्त अभियान के तहत आमजन को कैंरी बैंग भी वितरित किये।जानकारी के अनुसार नीम का थाना अतिरिक्त जिला कलक्टर भागीरथ साख मंगलवार को अजीतगढ़ नगर पालिका का वार्षिक निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने परिसर में स्थित रैन बसेरो मे जाकर वहां की व्यवस्था देखी एवं व्यवस्थाओं के बारे में नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी जुबेर खान से पूरी जानकारी ली। इसके बाद अतिरिक्त जिला कलक्टर ने परिसर में लोगों को कैंरी बैंग भी वितरित किए एवं लोगों से कहा कि वह प्लास्टिक की थैलियों का उपयोग न करें।

ओजटू में श्रद्धा और भक्ति के साथ हुआ, परम संत ज्ञान जी महाराज की राधा स्वामी मूर्ति का अनावरण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

ओजटू में राधा स्वामी सत्संग परंपरा के अंतर्गत परम संत ज्ञान जी महाराज की पावन मूर्ति का भव्य अनावरण समारोह श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण के बीच संपन्न हुआ। इस अवसर पर क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्ति, जनप्रतिनिधि एवं समाजसेवी बड़ी संख्या में उपस्थित रहें। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व उप प्रधान उमराव सिंह डांगी , फरट के सरपंच रणवीर सिंह धतरवाल, बनवारी लाल डांगी, महाराज रामजी लाल वर्मा , एम डी ग्रुप के चेयरमैन सुनील कुमार डांगी, धन सिंह, सुरेश डांगी, सुमेर डांगी, पूर्व सरपंच शीशराम डांगी, सरपंच विनोद डांगी, नामीचंद धत्तरवाल, बनवारी डांगी, कमांडो सुरेंद्र सिंह महाराज पृथ्वी सिंह महाशय, जगदीश वर्मा सहित गांव के गणमान्य लोगों की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को विशेष महत्व प्रदान किया। सभी भजन प्रेमियों ने मूर्ति अनावरण के पश्चात श्री परम संत ज्ञान जी महाराज के विचारों को आत्मसात करने और समाज में आध्यात्मिक चेतना फैलाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान सत्संग, भजन और प्रवचनों के माध्यम से उपस्थित श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव हुआ। आयोजन स्थल पर शांति, सद्भाव और भक्ति का माहौल बना रहा। स्थानीय ग्रामीणों और श्रद्धालुओं ने इस पावन अवसर को ऐतिहासिक बताते हुए आयोजकों का आभार व्यक्त किया।

'मानव मात्र की सेवा ही ईश्वरीय सेवा ': विनोद नायक

जरुरतमंदों को रजाई एवं गर्म कपड़े वितरित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सीकर।

हाथी टीब्बा बगीची स्थित नट बस्ती में नायक विकास सेवा समिति द्वारा संस्था के मार्गदर्शक पूजनीय खेतुलाल पानवाले की स्मृति में एक सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया।कड़ाके की सर्दी को देखते हुए, हर साल की भांति इस बार भी असहाय व जरूरतमंद बालक-बालिकाओं और उनके अभिभावकों को रजाई एवं गर्म कपड़े वितरित किए गए।समिति के अध्यक्ष विनोद नायक ने कहा कि 'जरूरतमंद व असहाय मानवता की सेवा ही ईश्वरीय सेवा है।' उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी और गुरुजनों के प्रति श्रद्धा का प्रतीक है। इस अवसर पर बाल कल्याण समिति के सदस्य बिहारी लाल बालान ने उपस्थित लोगों को शिक्षा के महत्व और सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में सहयोग करने वालों में बाबुलाल चिड़ावा, प्रेम लता कुमावत, सुरेंद्र कुमावत, विजय नायक, प्रमोद कुमावत, संजय वर्मा, कृष्ण कुमार कागडा, शौर्य नायक, विजय वर्मा सहित संस्थान के अन्य सदस्य मौजूद रहे। यह पहल समाज में सेवा भावना और सामुदायिक सहयोग की मिसाल पेश करती है।

नववर्ष पर नीमकाथाना एएसपी की अपील

भीम प्रज्ञा न्यूज़.अजीतगढ़।

नीमकाथाना अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लोकेश कुमार मीणा की विनम्र अपील,नववर्ष को हर्षोउल्लास के साथ मनाये,मादक पदार्थों का सेवन ना करे,शराब पीकर वाहन ना चलायें,जिम्मेदारी पूर्वक नववर्ष के जश्न मनाने के साथ किसी दुसरे को परेशानी ना दे। शराब पीकर वाहन चलानें वाले चालको पर शक्ति से कार्रवाई की जाएगी।

शाहपुरा में साहित्यिक गोष्ठी व भाषा सम्मेलन सम्पन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज़.शाहपुरा।

राजेन्द्र खटीक । शाहपुरा-अखिल भारतीय साहित्य परिषद इकाई शाहपुरा द्वारा मधुकर भवन संघ कार्यालय में मासिक साहित्यिक गोष्ठी व भाषा सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में माँ भारती की तस्वीर पर विभाग संयोजक रामप्रसाद माणमिया, आशुतोष सिंह सौदा और तेजपाल उपाध्याय ने माल्यार्पण किया। डॉ परमेश्वर कुमावत 'परम' ने 'भारती की लोक मंगल साधना साकार हो' परिषद गीत से गोष्ठी की शुरुआत हुई। भँवर 'भड़ाका' ने 'आँचल नारी जात का गहना है।' कविता के माध्यम से आधुनिक नारी के पहनावे में लुप्त होते आँचल और छोटे पहनावे पर व्यंग्य प्रहार किया।विष्णु दत्त शर्मा 'विकल' ने उर्दू भाषा का प्रतिनिधित्व करते हुए गजल के शेर सुनाए 'खून-ए-दिल भी माफ कर देते अगर, बेवफाई का सलीका निभाया होता। ऐ दोस्त तुम भी मुझे गम दिये जाते हो, मुझको रुसवा हरदम किए जाते हो' शेर सुनकर गोष्ठी को गजलमय कर दिया। गोपाल पंचोली ने 'रोड पर दो व्यक्ति जोर-जोर से आपस में लड़ रहे थे' कविता सुनाकर ओछी मानसिकता वाले लोगों पर व्यंग्य प्रहार किया। ओम माली 'अंगारा' ने 'निश्छल भाव से पोषण करती सबका, पर हम निज कर्तव्य क्यों भूल जाते हैं, स्वार्थ वशीभूत विनाश-अश्व पर आरूढ़, जिससे जीवन पाते उसी को मिटाते हैं' कविता सुनाकर प्रकृति का विनाश कर रहे स्वार्थी मनुष्यों की स्वार्थ लोलुपता पर करारी चोट की। सी. ए. अशोक बोहरा ने 'दिल की दीवार पे लिखा तेरा ही नाम है, बस तुझे पा लूँ यही अरमान है।' गजल सुनाकर मन के भावों की अभिव्यक्ति की। डॉ परमेश्वर कुमावत 'परम' ने संस्कृत श्लोक सुनाकर संस्कृत भाषा का प्रतिनिधित्व किया और राजस्थानी गीत 'कमली धूम मचाती आई रे, कॉपी म' नम्बर या छोरी जीरो ल्याई रे।' सुनाकर सभी का मन मोह लिया। एडवोकेट दीपक पारीक ने महाभारत के अभिमन्यु प्रसंग पर 'चक्रव्यूह गवाह है कि लड़ने वाला साधारण नहीं होगा' अभिमन्यु के असाधारण युद्ध कौशल पर कविता सुनाकर गोष्ठी को ओजमय कर दिया। सिंधी भाषा का प्रतिनिधित्व वरिष्ठ पत्रकार मूलचंद पेसवानी ने 'सिंधी बोली अमर रहन्दी, माटी जंई महक वहन्दी' रचना सुनाकर की।डॉ कमलेश पाराशर ने 'सनातन बचा लो आज यही काम है, धरा को बचा लो यह सब का काम है।' कविता सुनाकर सनातन संस्कृति को बचाने का आह्वान किया। बालकृष्ण जोशी 'बीरा' ने 'वन्दनीय अमर रहेगा वीरों का बलिदान, गाकर गगन गुंजा दिया वन्दे मातरम गान।' और राजस्थानी गीत 'म्हूँ मनड़े मुळकती जाऊँ तू गीत मांडतो जा' सुनाकर गोष्ठी को संगीतमय कर दिया। जयदेव जोशी ने यजुर्वेद के श्लोक सुनाकर वैदिक संस्कृत का प्रतिनिधित्व किया और अतिभावातिरेक और अतिसंवेदनशील रचना 'रक्ताक्षर बांग्ला भूमि- धूप की जगह धुआँ उतर आया, पद्मा की लहरों में लहू का कम्पन है।' सुनाकर बांग्लादेश में हो रहे हिन्दू नर संहार पर मन की पीड़ा और व्यथा को व्यक्त करते हुए भावुक हो गए। आशुतोष सिंह सौदा ने ओजमयी रचना 'ए मेवाड़ी गौरव गाथा अगणित अभिनंदन तुझको, ए मेवाड़ी शौर्य पताका बार-बार वंदन तुझको।' कविता सुनाकर मेवाड़ की गौरव गाथा और इतिहास में हुए कृष्णा जहर कांड को रेखांकित किया। संस्था के अध्यक्ष तेजपाल उपाध्याय ने 'सर्दी भी देखो कैसा करती है पक्षपात, अमीरों के लिए लाती है खुशियों की सौगात, गरीबों पर करती है वज्रपात।' कविता सुनाकर ठंड से ठिठुरते गरीब लोगों का दर्द बयां किया और समाज में व्याप्त असमानता पर करारा प्रहार किया। गोष्ठी के अंत में रामप्रसाद माणमिया विभाग संयोजक ने 'त्याग तपस्या देशभक्ति का जगती वंदन करती है, कोटि नमन इस पावन रज को यह बलिदानी धरती है।' शाहपुरा की बलिदानी धरती और बारहठ परिवार के बलिदान को नमन किया।

मुख्य अतिथि रामप्रसाद माणमिया और कार्यक्रम की अध्यक्षता तेजपाल उपाध्याय ने तथा गोष्ठी की विवेचना एडवोकेट दीपक पारीक ने की। अगले माह होने वाली गोष्ठी का विषय गणतंत्र या आजादी निश्चित किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर का हुआ तोदी महाविद्यालय में शुभारंभ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

अनुपगढ़ ज्योति । स्थानीय श्री भगवानदास तोदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मंगलवार को एनएसएस के सात दिवसीय विशेष शिविर का उद्घाटन किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत में लक्ष्मणगढ थानाधिकारी राजाराम, महाविद्यालय प्राचार्य डॉ एन एस नाथावत, सचिव आशकरण शर्मा, कार्यक्रम अधिकारी डॉ आनंद शर्मा व घनश्याम वर्मा ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर की गई। इस दौरान स्वयंसेविका दिव्या व्यास ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। तत्पश्चात मंचस्थ अतिथियों का माल्यार्पण व स्वागत गीत से अभिनंदन किया गया।कार्यक्रम अधिकारी डॉ आनंद शर्मा द्वारा सात दिवस की रुपरेखा प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजाराम ने स्वंयसेवको के अनुशासन की प्रशंसा करते हुए एनएसएस के ध्येय वाक्य स्वयं से पहले आप के महत्व को समझाते हुए नशे तथा सोशल मीडिया से दूरी बनाकर जीवन को जीवन्तता से जीने का संदेश दिया गया। इसके साथ ही स्वंयसेवको द्वारा पूछे गये कानून के विभिन्न विषयों पर वार्ता की। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ एन एस नाथावत ने विद्यार्थियों को अनुशासन व पूर्ण मनोयोग से शिविर के सभी सत्रो जैसे श्रमदान,योग, सांस्कृतिक कार्यक्रम, व्याख्यान माला, प्रतियोगिताओ से सीखने तथा जीवन में उतारकर राष्ट्र निर्माण में अपनी महती भूमिका अदा करने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान ऋषि, दिव्या, रश्मि व अन्य विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। सचिव आशकरण शर्मा ने भी स्वंयसेवको को सात दिवसीय विशेष शिविर में आयोजित होने वाले विभिन्न सत्रो से कौशल सीखकर जीवन को उन्नत बनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में घनश्याम वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

बुहाना में दूध पिलाकर व हनुमान चालीसा का पाठ कर मनाया जाएगा नववर्ष

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

श्री भगवान परशुराम बालाजी मंदिर ट्रस्ट के सौजन्य से दारू नहीं, दूध पीकर करें नववर्ष की शुरुआत आज के समय में नशे की परवर्ती युवाओं को खोखला कर रही है। दिवेश शर्मा ने युवा शक्ति को एक साथ लेकर एक अच्छी शुरुआत के साथ आगे बढ़ने का संकल्प लिया। दिवेश शर्मा ने बताया कि 1 जनवरी को 2026 सुबह 9:15 बजे रेबारी धर्मशाला पचेरी मोड़ बुहाना में सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ और दूध पिलाकर नव वर्ष की शुरुआत की जाएगी।

गणेश मंदिर में पौष बड़ा का आयोजन आज

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । शहर के मुख्य बाजार मैं पांच बत्ती के निकट गणेश मंदिर में बुधवार को पौष बड़ा आयोजन होगा। श्री गणेश मंदिर के पुजारी सोनू महाराज ने बताया कि बुधवार को सुबह गणेश मंदिर में भगवान श्री गणेश जी के जलेबी,पकौड़ी व हलवा का भोग लगाकर श्रद्धालुओं व राहगीरों को पोष बड़ा का प्रसाद दिया जाएगा। प्रसाद का वितरण सुबह से लेकर शाम तक चलेगा।

चंवरा में पोष बडा का आयोजन कल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । उपखंड के चंवरा में नववर्ष के शुभ अवसर पर 1 जनवरी को ढाणी पीपल्यावाली में मास्टर कृष्ण बिहारी सैनी के सानिध्य में पोष बडो का आयोजन किया जाएगा। जिसमें सुबह 10:00 से 4:00 तक रहेगा।सैनी ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस बार भी आसपास के ककराना, दिपपुरा, चंवरा, किशोरपुरा, नेवरी, गुड़ा, गुड़ा ढहर,पौख,आदि गांवो में भी दान पुण्य व पोष बडो का किया जाएगा । क्षेत्र के लोगों को कार्यक्रम में पधारने के लिए आह्वान किया है।

मुकेश ऑलराउंडर बने प्रदेश प्रवक्ता

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

आम आदमी पार्टी ने मुकेश ऑलराउंडर को राजस्थान का प्रदेश प्रवक्ता नियुक्त किया है।प्रदेश प्रवक्ता बने ऑलराउंडर ने पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल राजस्थान प्रभारी धीरज व सहप्रभारी घनेंद्र भारद्वाज का आभार व्यक्त किया है। मुकेश ऑलराउंडर पार्टी की स्थापना से ही अरविंद केजरीवाल व आम आदमी पार्टी की आवाज़ बुलंद करते आये हैतथा दिल्ली, पंजाब, गोवा, गुजरात में पार्टी में ज़िम्मेदारी निभा चुके है।

मोहनलाल गर्वा बने अध्यक्ष, बलाई समाज विकास समिति के चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सांभर लेक।

बलाई समाज विकास समिति सांभर लेक के चुनाव मंगलवार को प्रधान कार्यालय पुराना किला परिसर में शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुए। चुनाव अधिकारी मूलचंद बुनकर एवं उनकी टीम की देखरेख में कराए गए चुनाव में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। चुनाव परिणामों के अनुसार अध्यक्ष पद पर मोहनलाल गर्वा, उपाध्यक्ष पद पर प्रदीप सिंगला, सचिव पद पर पन्नालाल गोठवाल तथा सह-सचिव पद पर रविप्रकाश चौहान को निर्वाचित घोषित किया गया।निर्वाचन के पश्चात अध्यक्ष मोहनलाल गर्वा ने उपस्थित सभी समाजबंधुओं का आभार व्यक्त किया। इसके बाद वे कार्यकारिणी सदस्यों के साथ जगदीश सुणियां के निवास पर पहुंचे और उनसे आशीर्वाद लिया। उन्होंने सभी को साथ लेकर

समाज के सर्वांगीण विकास हेतु समर्पित भाव से कार्य करने का आश्वासन दिया।नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को रामेश्वर लाल मेहरड़ा, मदनलाल चौहान, निरंजन लाल सूत्रकार, भोजराज तंवर, केशर लाल वर्मा, भंवरलाल इंदौलिया, रामचंद्र देवन्दा, दुर्गालाल चौहान, रामगोपाल देवन्दा, नाथूलाल बेरवाल, बंशीलाल दुकट, भागचंद इंदौलिया, पूरणमल इंदौलिया, ओमप्रकाश कल्डाला, मोहनलाल चाहिल, रेखाराम बुगालिया, रामनिवास, अरविंद मेहरड़ा, धर्मेन्द्र बामनिया, आशीष खारड़िया, पुखराज भाण्डोरिया, देवेन्द्र, राकेश, संदीप, रवि इंदौलिया, आनंद प्रकाश, कपिल चौहान, दानमल, प्रकाश मुडाड़ एवं जगदीश सुणियां सहित अनेक समाजजनों ने बधाई व शुभकामनाएं दीं।

मंडावर के गांधी चौक पर फूटी पाईपलाइन से रोजाना बह रहा पानी, जलदाय विभाग बेपरवाह

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । शहर के सबसे व्यस्त गांधी चौक पर जलदाय विभाग की जलदाय विभाग की पाईपलाइन कई दिनों से फूटी पड़ी है, जिससे हर रोज सुबह से शाम तक सप्लाई चालू रहने के दौरान पानी धारा बनकर भारी मात्रा में बहता रहता है। सड़क पर फैलते पानी ने न सिर्फ गंदगी बढ़ाई है बल्कि आसपास के फल-फ्रूट विक्रेताओं और राहगीरों के लिए भी हालात मुश्किल कर दिए हैं। इसके बावजूद विभागीय जिम्मेदारों ने इस गंभीर समस्या पर अब तक कोई ध्यान नहीं दिया, मानो शहर के बीचोंबीच हो रही यह बर्बादी उनके लिए मायने ही न रखती हो। स्थानीय विक्रेताओं ने बताया कि पाईपलाइन उस समय क्षतिग्रस्त हुई जब यहां सड़क निर्माण के दौरान ठेकेदार की ट्रैक्टर-ट्रॉली और जेसीबी मशीनें लगातार आवाजाही कर रही थीं। टूटने के बाद न केवल

पानी बेकार बहता रहा बल्कि ठेकेदार ने भी टूटी लाइन की जगह बने गड्ढे के कारण इस हिस्से पर सड़क नही बनाई, जिससे यह चौराहा और अधिक बदहाल दिखाई देता है। लोगों का कहना है कि लीकेज की सूचना जलदाय विभाग को दी जा चुकी है। इसके साथ ही विभाग के अधिकारी और कर्मचारी भी दिन में कई बार इसी रास्ते से गुजरते हैं, परंतु इसके बावजूद अब तक क्षतिग्रस्त लीकेज लाईन की मरम्मत नहीं कराई गई है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार यह बेरुखी साफ दिखाती है कि विभागीय जिम्मेदार समस्या को देखकर भी अनदेखा कर रहे हैं, जैसे पानी का यह नुकसान किसी की जवाबदेही से बाहर हो। लोगो का मानना है कि गांधी चौक की यह फूटी पाईपलाइन जल संरक्षण जैसे संवेदनशील मुद्दे के साथ सीधा खिलवाड़ है। लगातार बह रहा पीने का पानी न सिर्फ सरकारी संसाधनों की हानि है बल्कि स्वास्थ्य और स्वच्छता व्यवस्था पर भी खतरा बन गया है। शहरवासियों की मांग है कि जलदाय विभाग और निर्माण एजेंसी दोनों की जवाबदेही तय की जाए, क्षतिग्रस्त पाईपलाइन की तत्काल मरम्मत करवाई जाए और उस स्थान पर छोड़ी गई सड़क को भी पूरा कर शहर के मुख्य चौराहे को राहत दिलाई जाए, ताकि मंडावर में लापरवाही की यह तस्वीर जल्द से जल्द बदल सके।

वर्ष के अंत में व नववर्ष आगमन से पूर्व शिव महापुराण कथा से लक्षमनगढ में बना ऐतिहासिक धार्मिक माहौल

हवन की पूर्णाहुति के साथ कथा का हुआ समापन, बड़ी तादाद में श्रद्धालु भक्तों ने किया अमृतपान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

लक्ष्मणगढ़ नागरिक परिषद की ओर से 25 से 30 दिसंबर तक शंकुतला वाटिका में आयोजित श्री शिव महापुराण कथा से लक्षमनगढ में वर्ष 2025 के अंत में व नववर्ष 2026 के आगमन से पूर्व धार्मिक माहौल बना जिसमें बड़ी तादाद में श्रद्धालु भक्तों ने कथा अमृतपान किया। इस दौरान प्रतिदिन साधू संतो का समागम, प्रवासियों के आगमन से आयोजन में श्रद्धा, भक्ति, आस्था व विश्वास का एक अलग ही नजारा कथा स्थल पर नजर आया। भक्ति भाव से डूबे श्रद्धालु, हर हर महादेव के जयकारों से पूरा नगर धार्मिक हो गया। कथा के अंतिम दिन मंगलवार को व्यासपीठ पर विराजमान डॉ स्वामी मुक्तानंद पुरी महाराज ने श्रीकृष्ण द्वारा शिव भक्ति, भगवती जगदंबा चरित ,वायु देवता , ऋषि संवाद,शिव योग वर्णन शिवलिंग का महात्म्य, ध्यान व योग के बारे में विस्तार से बताया । उन्होंने कहा कि यह सभी एक

दूसरे से जुड़े हुए हैं और परम सत्य की प्राप्ति के विभिन्न मार्ग और रुप दिखाते हैं। जहां कृष्ण और शिव एक ही परब्रह्म के भिन्न-भिन्न पहलू है और जगदंबा उनकी शक्ति है जो भक्तों को मार्ग दिखाती है। कथा शेखावाटी के सिद्ध संत चंचल टीला आश्रम झुंझुनूं के पीठाधीश्वर श्री ओमनाथ जी महाराज,रोशन नाथ महाराज, हंस निर्वाण आश्रम लक्षमनगढ के मोहनानंद महाराज मुरली मनोहर मंदिर के पुजारी पुष्पेंद्र शुक्ला परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश मित्तल उपाध्यक्ष अशोक चुडीवाला, सचिव संदीप तोदी, सुरेंद्र शर्मा, राजेंद्र सांगानेरिया, विमल जसरासिया, सुरेंद्र चमड़िया, विजय जालान, प्रवीण वर्मा, अनिल मुरारका,लक्षमनगढ नागरिक परिषद के अध्यक्ष विष्णु भूत सचिव निशांत गोयनका संरक्षक राजकुमार पारीक, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के जिला चैयरमेन अमित चिराणिया रामनिवास शर्मा,महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती विनीता पुजारी सचिव सोनू सोमानी, युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष सुनिल बुबना, सुशील जाजोदिया, संदीप बजाज, रामस्वरूप सोमानी, अनिल सोमानी, कमल तोदी लक्ष्मीकांत चुडीवाला, अनिल मिश्रा, अनिल चिराणिया, नटवरलाल झांकल, महेश झांकल, सचिन झांकल,वर्षा भूत, गीता जोशी,निशा तोलानी, मधु शर्मा, शशिकांत पुजारी, पिंटू डेकोरेशन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त मौजूद थे।

श्री राम प्रसाद बोहरा कॉलेज में एनएसएस का सात दिवसीय शिविर संपन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

श्री राम प्रसाद बोहरा कॉलेज, बुहाना में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की दोनों इकाइयों के तत्वावधान में 24 दिसंबर 2025 से 30 दिसंबर 2025 तक सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने सामाजिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए सेवा और अनुशासन का परिचय दिया। सात दिनों तक चले इस शिविर में साफ-सफाई अभियान, सांस्कृतिक कार्यक्रम, रस्साकसी प्रतियोगिता, म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता सहित विभिन्न रचनात्मक एवं खेलकूद गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों के माध्यम से स्वयंसेवकों को राष्ट्र सेवा, सामाजिक जिम्मेदारी और सामूहिक सहभागिता के लिए प्रेरित किया गया। शिविर का समापन कार्यक्रम 30 दिसंबर को आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता महाविद्यालय के निदेशक रघुवीर बोहरा ने की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बोहरा शिक्षण संस्थान के सचिव डॉ. जितेन्द्र यादव एवं विशिष्ट अतिथि उपप्राचार्य डॉ. मनोज यादव रहें। उपप्राचार्य डॉ. मनोज यादव ने शिविर में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त किया। एनएसएस प्रभारी डॉ. जयपाल सिंह एवं अशोक यादव ने शिविर की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए स्वयंसेवकों का माई भारत पोर्टल पर पंजीकरण भी करवाया। समापन अवसर पर महाविद्यालय का समस्त शैक्षणिक एवं गैर-शैक्षणिक स्टाफ उपस्थित रहा और कार्यक्रम की सफलता में सहयोग प्रदान किया। समापन सत्र में अध्यक्ष रघुवीर बोहरा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए विद्यार्थियों को निरंतर राष्ट्र सेवा एवं समाज हित के कार्यों में सक्रिय रहने के लिए प्रेरित किया।

टोहाना बजरंग मॉडल स्कूल के विद्यार्थियों ने जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में रचा इतिहास

फतेहाबाद के पुलिस अधीक्षक सिद्धान्त जैन ने विजेताओं को दी बधाई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । बजरंग मॉडल स्कूल के संचालक तथा हरियाणा प्राइवेट स्कूल संघ के प्रेस प्रवक्ता विनय वर्मा व प्रधानाचार्य अंजू वर्मा व प्रदीप गोयत ने जानकारी देते हुए कहा की पुलिस लाइन फतेहाबाद में आयोजित जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में बजरंग मॉडल स्कूल के बच्चों ने जिला स्तर पर प्रथम लेवल में प्रथम स्थान, द्वितीय व तृतीय लेवल में द्वितीय स्थान हासिल कर शानदार प्रदर्शन कियाद्य यह प्रतियोगिता कंप्यूटर पर कौन बनेगा करोड़पति की तर्ज पर आयोजित करवाई गई थी जिसमें बच्चों से ट्रैफिक रूल्स, सड़क सुरक्षा चिन्ह, यातायात रूल्स जुर्माना के बारे प्रश्न कंप्यूटर पर पूछे गए द्य बच्चों को प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के

माध्यम से बताया गया कि आप सभी सड़क सुरक्षा के नियमों की पालना करने के लिए अपने अभिभावकों को जागरूक करें जिससे कि राज्य में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके द्य प्रतियोगिता में तीन स्तरों में कक्षा तीसरी से 12वीं तक के फतेहाबाद जिले के सभी ब्लॉक के विजेता टीमों ने हिस्सा लिया द्य जिला स्तरीय प्रतियोगिता में बजरंग मॉडल स्कूल के विद्यार्थियों ने असाधारण प्रतिभा दिखाते हुए जिला स्तर पर लेवल 1 में प्रिया नैन, तमन्ना सौम्य, नूर सैनी ने प्रथम स्थान, लेवल 2 में शुभम, चिराग और जैस्मिन ने तथा लेवल 3 में अभिषेक शर्मा, यतीश मंगल, जतिन भारद्वाज ने द्वितीय स्थान प्राप्त किएद्य लेवल एक की टीम ने रेंज स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया। प्रतियोगिता के समापन पर विजेता बच्चों को फतेहाबाद ट्रैफिक थाना प्रभारी उप निरीक्षक जय सिंह, क्विज कोऑर्डिनेटर शंकर लाल, प्रीति रानी व मंगतराम ने बच्चों को प्रमाण पत्र व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया ।

पर्यावरण संघर्ष समिति का धरना 531वें दिन भी जारी, महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से आंदोलन को मिला बल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । खेजड़ला रोही, नोखा दईया क्षेत्र में खेजड़ी संरक्षण को लेकर चल रहा पर्यावरण संघर्ष समिति का धरना मंगलवार को 531वें दिन भी जारी रहा। धरना स्थल पर बड़ी संख्या में पर्यावरण प्रेमी, किसान और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। आंदोलन में अब महिलाओं की सक्रिय भागीदारी भी देखने को मिल रही है, जिससे संघर्ष को नई ऊर्जा मिली है। धरने पर पहुंचीं शहर कांग्रेस अध्यक्ष शशिकला राठौड़ ने कहा कि खेजड़ी बचाने की लड़ाई में महिलाओं की भूमिका निर्णायक होगी। उन्होंने कहा कि माँ अमृता देवी का बलिदान आज भी हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। राठौड़ ने सोलर प्लांटों को लेकर चिंता जताते हुए कहा कि इनके कारण मौसम असंतुलित हो रहा है, जिससे बरानी क्षेत्रों का विनाश तय है और रबी व खरीफ की फसलें गंभीर रूप से प्रभावित होंगी। अब किसान भी इसके दुष्प्रभावों को समझने लगे हैं।धरने पर मौजूद सुषमा बारूपाल ने

घोषणा की कि आगामी 2 फरवरी को होने वाले महापड़ाव में महिलाएं बढ़-चढ़कर भाग लेंगी। उन्होंने कहा कि मरुधरा के लोग प्रकृति और जीव-जंतुओं से प्रेम करने वाले हैं तथा यहां के वन्यजीव भी हिंसक प्रवृत्ति के नहीं हैं। इसके बावजूद सरकार मरुस्थलीय क्षेत्र के साथ अन्याय कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने मरुधरा की शालीनता को कमजोरी समझा तो 2 फरवरी का महापड़ाव एक नई इबारत लिखेगा। मंगलवार के धरने में लक्ष्मण कड़वासरा (अध्यक्ष, भूदान यज्ञ बोर्ड राजस्थान), सींवरी चौधरी, शनीला खान, रामगोपाल बिशनोई, शिवदान मेघवाल, एडवोकेट रक्षपाल बिशनोई, अर्जुनराम कूकणा, ताहिर खान, रामदेव मेघवाल, प्रफुल्ल हाटीला, गंगाबिशन सियाग, अरुण कुमार वैध, सरदार दरबारा सिंह, बुधराम सीगड़, हनुमान काकड़, महेंद्र भादू, जैसाराम मेघवाल, पूनमराम रिख, गोपाल सियाग (रासीसर), हुसैन हिन्दुस्तानी, गोपीचंद धायल, मोखराम धायल, गजनंद शर्मा, धर्मपाल बारूपाल, वीरेंद्र सिंह, डॉ. रामेश्वर लाल सीगड़, रामकुमार बेनीवाल, रमेश मेघवाल, जयप्रकाश बागड़वा, जयकिशन गहलोत, मिलन गहलोत, हीरू खां टावरी सहित बड़ी संख्या में आंदोलनकारी उपस्थित रहें। धरना स्थल पर वक्ताओं ने एक स्वर में खेजड़ी संरक्षण और मरुस्थलीय पर्यावरण की रक्षा के लिए संघर्ष को और तेज करने का संकल्प दोहराया।

हिसार मंडल के आयुक्त ने मंडल के सभी उपायुक्तो को दिये निर्देश- रवि प्रकाश गुप्ता

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । हिसार मंडल के आयुक्त रवि प्रकाश गुप्ता ने मंगलवार को वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से मण्डल के सभी उपायुक्तों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की, जिसमें जिला प्रशासन के विभिन्न कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान आयुक्त ने कहा कि डी-मार्केशन से जुड़े लंबित मामलों का जल्द से जल्द निपटान सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम नागरिकों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि राजस्व से संबंधित मामलों में पारदर्शिता और समयबद्धता दोनों अनिवार्य हैं, इसलिए जिलों में चल रहे डी-मार्केशन के कार्यों में और अधिक तेजी लाई जाए तथा जहां कहीं भी तकनीकी या प्रशासनिक स्तर पर कोई समस्या आ रही हो, उसे तुरंत उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लाया जाए, ताकि उसका समाधान समय रहते किया जा सके। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक का उपयोग आज प्रशासनिक कार्यप्रणाली का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। ऐसे में यदि किसी जिले के कर्मचारियों को रोवर या अन्य सर्वे उपकरणों से संबंधित प्रशिक्षण की आवश्यकता हो, तो इसकी सूचना तुरंत उपलब्ध करवाई जाए। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को नवीनतम तकनीकों का प्रशिक्षण दिए जाने से न केवल कार्य में गति आएगी बल्कि शुद्धता और विश्वसनीयता भी बढ़ेगी। प्रशिक्षण प्राप्त कर्मी स्थल निरीक्षण, सीमांकन तथा अन्य राजस्व कार्यों को अधिक कुशलता और तत्परता से संपादित कर सकेंगे, जिससे जनता के कार्यों का निस्तारण भी शीघ्रता से संभव होगा। बैठक में आयुक्त ने कोर्ट केस से जुड़े मामलों की धीमी प्रगति पर भी गंभीरता से चर्चा की और निर्देश दिए कि उपायुक्त एवं एसडीएम अपने-अपने कार्यालयों में लंबित कोर्ट केस के निपटारे पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने कहा कि

न्यायिक मामलों का लंबित रहना सीधे तौर पर आमजन के हितों को प्रभावित करता है, इसलिए इन मामलों में अनावश्यक देरी न होने दें। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा जताई कि वे नियमित रूप से प्रकरणों की समीक्षा करें, प्राथमिकता सूची तैयार करें और समयबद्ध ढंग से निर्णय लेकर आमजन को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करें। उन्होंने कहा कि हर नागरिक को त्वरित, पारदर्शी और उत्तरदायी प्रशासन मिले और इसी दिशा में सभी अधिकारी संवेदनशीलता के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन की भूमिका केवल आदेश पारित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि आमजन के जीवन को सरल बनाना और उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च जिम्मेदारी है। उन्होंने निर्देश दिए कि वे क्षेत्र का नियमित रूप से दौरा करें, जनता से सीधा संवाद स्थापित करें और समस्याओं के समाधान में सकारात्मक व संवेदनशील रवैया अपनाएं। उन्होंने जोर देकर कहा कि शिकायत निवारण की व्यवस्था को मजबूत किया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी व्यक्ति को छोटे-छोटे कार्यों के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। इस अवसर पर उपायुक्त डॉ. विवेक भारती, एसडीएम फतेहाबाद राजेश कुमार, डीआरओ श्याम लाल, डीडीपीओ अनूप सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी बैठक में उपस्थित रहे।

बावलिया बाबा के रंग में रंगी शिव नगरी, 113 वीं पुण्यतिथि पर उमड़ा आस्था का सैलाब

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

नगर के आराध्य देव, परम संत परमहंस पंडित गणेश नारायण जी 'बावलिया बाबा' की 113वीं पुण्यतिथि पर आयोजित दो दिवसीय धार्मिक महोत्सव में पूरी 'शिव नगरी' श्रद्धा और भक्ति के अनूठे रंग में सराबोर नजर आई। बाबा की साधना स्थली चौरासिया मंदिर और समाधि स्थल गोगाजी मंदिर में आयोजित कार्यक्रमों में

जनसैलाब उमड़ पड़ा, जहाँ भक्तों ने बाबा की चौखट पर मत्था टेककर खुशहाली की कामना की। महोत्सव का मुख्य आकर्षण गणेश घाट सेवा समिति के तत्वावधान में निकाली गई भव्य निशान यात्रा रही। भगीनियां जोहड़ से शुरू हुई इस यात्रा में श्रद्धालु 1100 निशान लेकर डीजे की धुनों और बाबा के जयकारों के साथ निकले। विवेकानंद चौक में ऊंट-घोड़ी नृत्य और मनमोहक झांकियों ने समां बांध दिया। रास्ते भर पुष्प वर्षा के साथ

पदयात्रियों का जोरदार स्वागत किया गया।साधना स्थली चौरासिया मंदिर में हुई महाआरती में हजारों श्रद्धालुओं ने सामूहिक भागीदारी की। समाधि स्थल पर आयोजित विशाल जागरण में खासोली धाम के महंत नवरत्न गिरी महाराज, संत आकाश नाथ और संत निश्चल नाथ महाराज ने रात भर भजनों की रसगंगा बहाई, जिससे वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक हो गया।

बाबा के निर्वाणोत्सव पर सोमवार को अल सुबह से ही हलवे और चने (सुसवा) के भोग का दौर शुरू हुआ। चौरासिया मंदिर के महंत विनोद चौरासिया ने बताया कि साधना स्थली पर करीब 5 क्विंटल गूंद के लड्डू और 200 किलो दाल के बड़ों का प्रसाद वितरित किया गया। शहर के प्रमुख मार्गों जैसे राजकला कॉम्प्लेक्स, कबूतरखाना और पिलानी रोड पर भी भक्तों ने जगह-जगह भंडारे आयोजित कर श्रद्धालुओं की सेवा की।

सुरक्षा के बीच मेले का आनंद

समाधि स्थल पर आयोजित मेले में बच्चों और महिलाओं ने जमकर लुत्फ उठाया। आयोजन के दौरान उमड़ी भीड़ को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। स्थानीय लोगों के अनुसार, दो दिनों तक चिड़ावा का हर कोना 'जय बावलिया बाबा की' के उद्घोष से गूंजता रहा।

बांग्लादेश की तो निंदा कर दी, देश में मॉब लिंचिंग पर सरकार क्यों चुप–मौलाना मदनी

सहारनपुर (एजेंसी)। जमीयत उलेमा–ए–हिंद के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने बांग्लादेश में हुई हिंसा की निंदा की है। साथ ही उन्होंने भारत में हो रही हिंसा का भी जिक्र किया है। मौलाना मदनी ने सरकार से पूछा है कि यह दोहरा रवैया क्यों। बांग्लादेश में हिंदू के मारे जाने पर आपने निंदा की लेकिन भारत में भी धार्मिक उग्रवाद और मॉब लिंचिंग हो रही है, लेकिन आपने उसकी निंदा क्यों नहीं की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर मौलाना अरशद मदनी ने एक लंबी चौड़ी पोस्ट लिखी है। इसमें उन्होंने लिखा, ''बांग्लादेश में जो कुछ हुआ, वह बहुत ही बुरा हुआ। यह केवल एक हत्या नहीं, बल्कि हैवानियत और दरिंदगी की इंतिहा है। इसकी जितनी भी निंदा की जाए, वह कम है। इस्लाम इसकी कतई, कतई अनुमति नहीं देता। जिन लोगों ने ऐसा किया है, उन्होंने न केवल इस्लामी शिक्षाओं का उल्लंघन किया है, बल्कि इस्लाम को बदनाम करने का काम भी किया है। इसलिए ऐसे लोगों को कड़ी से कड़ी सज़ा दी जानी चाहिए।'' मदनी ने आगे लिखा है, ''धार्मिक उग्रवाद और नफ़रत हमारे देश को भी तबाह–बर्बाद कर रही है। क्रिसमस के मौके पर ईसाई समुदाय के साथ सांप्रदायिक तत्वों ने जो कुछ किया, उसे भी किसी भी रूप में सही नहीं ठहराया जा सकता। यह संविधान में नागरिकों को दी गई धार्मिक स्वतंत्रता पर सीधा हमला है। जगह–जगह चर्चों पर हमले हुए, और ईसाई समुदाय को अपना त्योहार मनाने से रोकने की कोशिश की गई।''

यूपी में एसआईआर की तिथि में फिर हुआ बदलाव

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अर्हता तिथि एक जनवरी, 2026 के आधार पर प्रदेश में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की घोषित तिथियों में संशोधन करते हुए नई तिथियां जारी कर दी गई है। संशोधित तिथियों के अनुसार, अब मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन छह जनवरी, 2026 को किया जाएगा। दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि छह जनवरी से छह फरवरी, 2026 तक निर्धारित की गई है। छह जनवरी से 27 फरवरी 2026 तक नोटिस चरण, गणना प्रपत्रों पर निर्णय और दावे एवं आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। उत्तर प्रदेश की मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन छह मार्च, 2026 को किया जाएगा। पूर्व में आयोग ने 31 दिसम्बर यानि कल मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन की तिथि तय की थी।

लातूर : शराब परोसने से मना करने पर बार मालिक की नृशंस हत्या

लातूर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के लातूर जिले में कानून–व्यवस्था को चुनौती देने वाली सनसनीखेज वारदात सामने आई है। चाकुर तालुका के नाइगांव में मात्र शराब और सिगरेट न देने पर 3 युवकों ने मिलकर एक 42 वर्षीय बार मालिक, गजानन कासले, की पीट–पीटकर हत्या कर दी। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, जब कासले अपना बार बंद कर चुके थे, तब तीन युवक जबरन अंदर घुस आए। उन्होंने बंद समय में शराब और सिगरेट की मांग की। जब कासले ने नियमों का हवाला देकर इंकार किया, तब आरोपी हिंसक हो उठे। आरोपियों ने कासले को गालियां देकर लकड़ी के डंडों व लाठियों से उन पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। सिर और शरीर पर गंभीर चोटें लगने के कारण कासले की मौके पर ही मौत हो गई। बीच–बचाव करने आए वेटर अजय मोरे को भी बुरी तरह पीटा, जिससे वह गंभीर रूप से घायल है। आरोपी जाते–जाते काउंटर से 15,000 रुपये नकद, शराब की बोतलें लूट ले गए और बार का टेलीविजन भी तोड़ दिया। इसके बाद स्थानीय पुलिस और एलसीबी ने संयुक्त ऑपरेशन चलाया। सीसीटीवी फुटेज और खुफिया जानकारी की मदद से पुलिस ने घटना के मात्र 5 घंटे के भीतर तीनों आरोपियों को धर दबोचा। गिरफ्तार आरोपियों के नाम मारुति उर्फ बबलू हरिबा बोयने, संतोष राम तेलंगे, सागर हनुमंत बोयने (ये तीनों रेनापुर तालुका के धवेली गांव के निवासी) हैं। मृतक के भाई बालाजी कासले की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

त्रिपुरा में आक्रोश : बांग्लादेशी गैस टैंकर्स का घेराव

अगरतला (एजेंसी)। त्रिपुरा के जीरानिया और बोधजंग नगर क्षेत्रों में जनता का धैर्य तब जवाब दे गया, जब प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश से आए आठ गैस बुलेट टैंकर्स को रोक दिया। बांग्लादेशी वापस जाओ के नारों के साथ हुआ विरोध प्रदर्शन केवल एक नाकाबंदी नहीं, बल्कि पड़ोसी देश में पनप रहे भारत–विरोधी विमर्श और हिंदुओं पर हो रहे हमलों के खिलाफ एक कड़ा संदेश है। दरअसल बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार के पतन के बाद मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के आने को विशेषज्ञ केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि कट्टरपंथ का आगमन मान रहे हैं। यूनुस की चीन यात्रा और वहां सेवन सिस्टर्स (पूर्वोत्तर भारत) के लिए बांग्लादेश को गार्जियन बताने वाला बयान भारत की क्षेत्रीय अखंडता के लिए सीधी चुनौती के रूप में देखा जा रहा है। त्रिपुरा जैसे शांत राज्य में इस तरह का प्रदर्शन भारत की बदलती रणनीति और जन–भावनाओं को दर्शाता है। प्रदर्शनकारियों का स्पष्ट कहना है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार अब स्वीकार्य नहीं हैं। भारत–विरोधी एजेंडा चलाने वालों को भारतीय संसाधनों का लाभ नहीं मिलने दिया जाएगा। सीमा पार से दी जा रही धमकियों का जवाब अब ज़मीनी कार्रवाई से दिया जाएगा।

5 जनवरी से शुरू होगा दिल्ली विधानसभा सत्र, इन मुख्य मुद्दों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में 5 जनवरी से विधानसभा सत्र शुरु होगा। यह तीन दिवसीय शीतकालीन सत्र होगा। सत्र के दौरान पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के आधिकारिक आवास के पुनर्निर्माण से जुड़ी कैग रिपोर्ट को लेकर होगी, जिसे सदन के पटल पर रखा जाएगा। इसकी पुष्टि विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने की है। रिपोर्ट में 6, फ्लैगस्टाफ रोड स्थित बंगले (भाजपा ने शीश महल का नाम दिया है) के नवीनीकरण में हुए खर्च और कथित वित्तीय अनियमितताओं का लेखा–जोखा होने की संभावना है। इसके अलावा सीएम रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली वर्तमान सरकार ने संकेत दिए हैं कि वे न केवल शीश महल बल्कि दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) और मोहल्ला क्लीनिक से जुड़ी ऑडिट रिपोर्ट भी पेश कर सकते हैं।

एम.डी. ग्रुप ऑफ एजुकेशन में होगा नववर्ष महोत्सव- 2025 का आयोजन

जयपुर के प्रसिद्ध कलाकार देंगे प्रस्तुति

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

झुंझुनूं रोड़ स्थित एम डी ग्रुप ऑफ एजुकेशन परिसर में बुधवार आज नववर्ष महोत्सव मिड नाईट बीट प्राइवेट डी जे पार्टी का आयोजन किया जायेगा। एम.डी.ग्रुप ऑफ एजुकेशन के चेयरमेन सुनिल कुमार डांगी ने बताया कि संस्था चिड़ावा क्षेत्र में शिक्षा के साथ- साथ नवाचारों को स्थापित करने में भी सदैव अग्रणी रहती है। इसी क्रम में इस आयीजन में देश के जाने - माने कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। जिनमें आर.जे. इमरान व जयपुर डांस पार्टी के साथ- साथ एक से बढकर एक गायक कलाकार भी कला इस शाम को और अधिक खुशनुमा बना देंगे। इस आयोजन में मस्ती, डांस व लजीज चाट का भी आप आनंद लेंगे। यह आयोजन 31 दिसंबर को सांय 9:00 बजे से लेकर 12: 30 तक आयोजित होगा। इसमें चिड़ावा व आसपास के क्षेत्रों के अधिक से अधिक लोग हिस्सा लेकर इस नाये साल को ओर अधिक यादगार बना सकते हैं। इस आयोजन में हिस्सा लेने के लिए एक एंट्री पास जारी किया गया है जो एम.डी ग्रुप ऑफ परिसर में आप व्यक्तिगत व ऑनलाइन भी प्राप्त कर सकते हैं। इस आयोजन के लिए कप्पल चार्ज .400 रूपए व सिंगल चार्ज 800 रूपए निर्धारित किया गया है। यह पास 31 दिसंबर को सांय 8 बजे तक प्राप्त कर सकते हैं। अतः आप इस नववर्ष को अपने परिवार के साथ ओर भी अधिक यादगार बनाना चाहते है तो आज ही अपनी सीट बुक कराइये।

सादुलपुर के रतनपुरा में पानी को लेकर धरना :घर-घर कनेक्शन देने की मांग, ग्रामीण अड़े

आंदोलन तेज करने की चेतावनी

भीम प्रज्ञा न्यूज

सादुलपुर। सादुलपुर के रतनपुरा गांव में पेयजल समस्या को लेकर ग्रामीणों का धरना छठे दिन भी जारी रहा। ग्रामीणों ने जलदाय विभाग के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आक्रोश व्यक्त किया और चेतावनी दी कि यदि जल्द ही घर-घर पानी के कनेक्शन नहीं दिए गए तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

दो घंटे तक धरना स्थल पर बैठे

धरने के दौरान जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने उन्हें करीब दो घंटे तक धरनास्थल पर ही बैठाए रखा। अधिकारियों ने जल्द समाधान का आश्वासन दिया, लेकिन ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े रहे। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक पानी की स्थायी व्यवस्था नहीं होती, धरना जारी रहेगा। धरने पर महावीर पूनिया और राकेश जांगिड़ 'गणपति जी निधि' के रूप में उपस्थित रहे। जलदाय विभाग के एईएन राममूर्ति, एक्सईएन मोहनलाल, एजेएन रितु चौधरी और एक्सईएन राजेश जांगिड़ सहित अन्य अधिकारी भी लगभग दो घंटे तक धरनास्थल पर मौजूद रहे।

युवा नेता सुरेश भूकर के नेतृत्व में तिजारा विधायक महंत बाबा बालकनाथ का चिड़ावा में भव्य स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

राजस्थान के तिजारा से वर्तमान विधायक एवं पूर्व अलवर सांसद महंत बाबा बालकनाथ का चिड़ावा में जोरदार और भव्य स्वागत किया गया। भाजपा के युवा नेता सुरेश भूकर ने रोहतक से साथ आए योगेंद्र नाथ तथा बाबा बालकनाथ का सूरजगढ़ बाईपास तिराहे स्थित अपने निज निवास पर पारंपरिक तरीके से स्वागत-अभिनंदन किया। इस अवसर पर युवा उद्यमी दिनेश दाधीच, सरपंच प्रतिनिधि अनूप नेहरा, अमित गोयल, सुनील भूकर, निक सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे। स्वागत कार्यक्रम उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जिसमें कार्यकर्ताओं ने बाबा बालकनाथ का हार्दिक अभिनंदन किया। बाबा बालकनाथ के आगमन से भाजपा कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ। स्थानीय लोगों ने भी उनके दर्शन कर आशीर्वाद लिया।

राव बहादुर सिंह: शिक्षा, सेवा और जनविश्वास का सशक्त प्रतीक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नारनौल।

हरियाणा की राजनीति और शिक्षा जगत में संघर्ष, सादगी और सेवा के बल पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाने वाले व्यक्तित्वों में राव बहादुर सिंह का नाम अत्यंत सम्मान के साथ लिया जाता है। नांगल चौधरी विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय पूर्व विधायक रहने के साथ-साथ वे यदुवंशी शिक्षा निकेतन के चेयरमैन के रूप में शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम बनाने वाले अग्रणी व्यक्तित्व हैं। गौरवशाली यदुवंशी परंपरा में जन्मे राव बहादुर सिंह को बचपन से ही अनुशासन, आत्मसम्मान और समाज के प्रति उत्तरदायित्व के संस्कार मिले। ग्रामीण परिवेश में पले-बढ़े होने के कारण उन्होंने किसानों, युवाओं और आमजन की वास्तविक समस्याओं को नजदीक से समझा। यही अनुभव उनके सार्वजनिक और राजनीतिक जीवन की मजबूत नींव बने। नांगल चौधरी विधानसभा क्षेत्र से विधायक रहते हुए राव बहादुर सिंह ने क्षेत्रीय विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे

बुनियादी मुद्दों पर उन्होंने प्रभावी ढंग से आवाज उठाई। उनकी कार्यशैली की सबसे बड़ी विशेषता जनता से सीधा संवाद रही। वे केवल विधानसभा तक सीमित नहीं रहे, बल्कि गांव-गांव जाकर लोगों की समस्याएं सुनीं और समाधान के लिए प्रशासन पर निरंतर दबाव बनाया। इसी कारण आज भी वे एक जमीनी, सुलभ और भरोसेमंद जननेता के रूप में याद किए जाते हैं। राजनीति के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में उनका योगदान भी उल्लेखनीय रहा है। उन्होंने शिक्षा को समाज-निर्माण का सबसे प्रभावी हथियार माना। इसी सोच का परिणाम है यदुवंशी शिक्षा निकेतन, जो आज हरियाणा ही नहीं बल्कि उत्तर भारत में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रतिष्ठित केंद्र बन चुका है। चेयरमैन के रूप में उन्होंने आधुनिक शिक्षा, अनुशासन, संस्कार और तकनीकी दक्षता का संतुलन स्थापित किया। ग्रामीण और अर्ध-शहरी पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों को श्रेष्ठ शैक्षणिक अवसर उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहा। यदुवंशी शिक्षा निकेतन की पहचान केवल परीक्षा परिणामों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संस्थान संस्कारयुक्त शिक्षा का प्रतीक बन चुका है। राव बहादुर सिंह का मानना है कि 'शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण है।' इसी विचारधारा के अनुरूप विद्यालयों और महाविद्यालयों में अनुशासन, खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों और राष्ट्रभावना को विशेष महत्व दिया जाता है। अपने सार्वजनिक जीवन में उन्होंने समाज के कमजोर वर्गों के हितों के लिए निरंतर कार्य किया। निर्धन विद्यार्थियों की सहायता, छात्रवृत्तियों का वितरण, खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन और सामाजिक आयोजनों में सक्रिय सहभागिता उनके सामाजिक सरोकारों को दर्शाती है। उनका मानना है कि सफलता का वास्तविक अर्थ समाज को लौटाना है, और यही दर्शन उनके कार्यों में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। राव बहादुर सिंह का व्यक्तित्व सादगी, दृढ़ता और आत्मविश्वास का संगम है। वे दिखावे की राजनीति या खोखले भाषणों में विश्वास नहीं करते, बल्कि कर्म और परिणामों से नेतृत्व करने में विश्वास रखते हैं। युवाओं के लिए वे एक ऐसे आदर्श हैं, जो यह संदेश देते हैं कि राजनीति और शिक्षा–दोनों को जनसेवा का प्रभावी माध्यम बनाया जा सकता है। कुल मिलाकर, राव बहादुर सिंह का जीवन इस बात का प्रमाण है कि स्पष्ट संकल्प और जनकल्याण की भावना के साथ किया गया कार्य समाज में स्थायी प्रभाव छोड़ता है। नांगल चौधरी के पूर्व विधायक के रूप में उनका योगदान और यदुवंशी शिक्षा निकेतन के अध्यक्ष के रूप में उनका दूरदर्शी दृष्टिकोण उन्हें एक संवेदनशील जननेता और प्रतिष्ठित शिक्षाविद् के रूप में स्थापित करता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के अंतर्गत स्वयंसेवकों ने किया सद्गुरु कृपा अपना घर का भ्रमण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद/टोहाना।

रजत विजय रंगा। राष्ट्रीय सेवा योजना के तीसरे दिन पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, खारा खेड़ी के स्वयंसेवकों को हांसपुर रोड पर स्थित स्वामी श्री सदानंद सद्गुरु कृपा अपना घर का भ्रमण कराया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने आश्रम में निवास कर रहे मंदबुद्धि, बेसहारा बुजुर्गों एवं महिलाओं से संवाद किया, उनका हालचाल जाना तथा उनके जीवन से जुड़े अनुभव सुने। आश्रम में निवासियों के लिए रहने, भोजन, स्वास्थ्य तथा अन्य सभी आवश्यक सुविधाओं की उत्तम व्यवस्था देखकर विद्यार्थी अत्यंत प्रभावित हुए। इसी क्रम में पुरुष वृद्ध आश्रम में

विभिन्न परिस्थितियों से ग्रस्त बुजुर्गों से भी विद्यार्थियों को मिलने का अवसर मिला, जहां उन्होंने न केवल संवाद किया बल्कि बुजुर्गों का स्नेह और आशीर्वाद भी प्राप्त किया। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने श्री कृष्ण प्रणामी गौवंश अनुसंधान संस्थान एवं गौ अस्पताल का भ्रमण किया। यहां उन्हें गौवंश के रखरखाव, चारा व्यवस्था, शरण स्थल तथा चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी दी गई। भ्रमण के उपरांत आयोजित संवाद सत्र में विद्यालय के प्राचार्य अनूप सिंह ने संस्था की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए इसे मानव सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को सेवा भाव अपनाने एवं बुजुर्गों के प्रति सम्मान बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। वहीं संस्था के सदस्यों ने भी विद्यार्थियों के अनुशासन एवं रुचिपूर्ण सहभागिता की सराहना करते हुए उन्हें जीवन में एक सेवाभावी नागरिक बनने का संदेश दिया। इस अवसर पर सुंदर प्रकाश, विजय कुमार, सुदेश कुमार, संस्था के संचालक एवं प्रमुख समाजसेवी विनोद तायल, अशोक भुक्कर, सुरेन्द्र मित्तल व बाली मित्तल भी उपस्थित रहें।

टोहाना एसडीएम आकाश शर्मा ने जमालपुर शेखां के विद्यालय का किया औचक निरीक्षण

एसडीएम ने शैक्षणिक व्यवस्थाओं की समीक्षा की, विद्यार्थियों को किया प्रेरित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा। एसडीएम आकाश शर्मा ने मंगलवार को गांव जमालपुर शेखां के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का औचक निरीक्षण कर विद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक एवं भौतिक सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए शिक्षा की गुणवत्ता और विद्यार्थियों को प्रदान की जा रही सुविधाओं का भी जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने विभिन्न कक्षाओं का दौरा किया और विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी शैक्षणिक प्रगति, पाठ्यक्रम की समझ तथा सीखने के स्तर का अवलोकन किया।

साथ ही विद्यालय में संचालित मिड-डे मील योजना के अंतर्गत परोसे जा रहे भोजन की गुणवत्ता की जांच की गई और बच्चों को दिए जा रहे पोषण स्तर का मूल्यांकन किया गया। एसडीएम आकाश शर्मा ने विद्यालय के रसोईघर एवं भोजन तैयार करने के स्थान का भी निरीक्षण किया, जहां साफ-सफाई और स्वच्छता व्यवस्था की बारीकी से समीक्षा की गई। इसके अतिरिक्त उन्होंने विज्ञान प्रयोगशाला, पुस्तकालय तथा अन्य शैक्षणिक संसाधनों का निरीक्षण करते हुए विद्यालय परिसर में समग्र स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए। इस दौरान एसडीएम आकाश शर्मा कक्षाओं में पहुंचकर विद्यार्थियों से संवाद किया। उन्होंने छात्रों को शिक्षा के महत्व के बारे में जानकारी दी और उन्हें नियमित अध्ययन, अनुशासन तथा सकारात्मक सोच अपनाने के लिए प्रेरित किया।

उन्नाव रेप कांड: कुलदीप सेंगर की बेटी ने पिता के लिए न्याय मांगते हुए लिखी भावुक चिट्ठी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के चर्चित उन्नाव दुष्कर्म मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेंगर की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले पर रोक लगा दी है, जिसमें सेंगर को राहत देने की बात कही गई थी। शीर्ष अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए स्पष्ट किया कि ऐसे अपराध के दोषियों को किसी भी सूरत में जमानत नहीं मिलनी चाहिए। जहां एक ओर पीड़िता न्याय की अपनी लंबी लड़ाई लड़ रही है, वहीं दूसरी ओर इस मामले ने एक नया मोड़ ले लिया है। कुलदीप सेंगर की बेटी डॉ. इशिता सेंगर ने सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी चुप्पी तोड़ते हुए एक भावुक और विचारोत्तेजक पत्र साझा किया है।

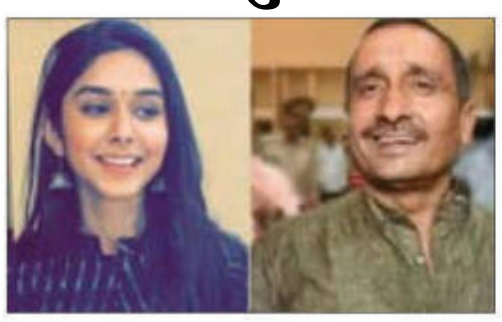

डॉ. इशिता सेंगर ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले आठ वर्षों से उनका परिवार न्याय की उम्मीद में खामोश रहा, लेकिन अब उनकी सहनशक्ति जवाब दे रही है। उन्होंने लिखा, मैं यह पत्र एक ऐसी बेटी के रूप में लिख रही हूं जो थक चुकी है और डरी हुई है। आठ साल तक हमने इस उम्मीद में चुप्पी साधे रखी कि अगर हम कानून और संविधान का सम्मान करेंगे, तो सच स्वतः सामने आ जाएगा। हमने संस्थानों पर भरोसा किया और किसी भी तरह का शोर या प्रदर्शन नहीं किया, लेकिन अब मेरा वह विश्वास टूट रहा है।

इशिता ने समाज और सोशल मीडिया पर होने वाले मीडिया ट्रायल पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि उनकी व्यक्तिगत पहचान को केवल भाजपा विधायक की बेटी के लेबल तक सीमित कर दिया गया है, जिससे उनकी इंसानियत और बोलने के अधिकार को छीना जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन लोगों ने कभी अदालती दस्तावेज या रिकॉर्ड नहीं देखे, उन्होंने भी उनके परिवार के खिलाफ राय बना ली है। इशिता ने साझा किया कि उन्हें और उनके परिवार को लगातार अमानवीय व्यवहार, गालियों और यहां तक कि दुष्कर्म और मौत की धमकियों का सामना करना पड़ता है।

पत्र में इशिता ने अपनी आर्थिक और भावनात्मक थकान का जिक्र करते हुए कहा कि वे हर उस अधिकारी और संस्थान के पास गईं जहां से न्याय की उम्मीद थी, लेकिन उनकी बात अनसुनी कर दी गई। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर उनके पास वास्तव में वह ताकत होती जिसका जिक्र अक्सर किया जाता है, तो क्या उन्हें आठ वर्षों तक बेजुबान रहकर अपने नाम को कीचड़ में घसीटे जाते हुए देखना पड़ता? इशिता का कहना है कि आज न्याय व्यवस्था और संस्थाओं पर डर और जनता के उन्माद का दबाव इतना अधिक है कि तथ्यों की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने अपील की है कि कानून को बिना किसी बाहरी दबाव, हैशटैग या लोकप्रिय राय के काम करने दिया जाए। उन्होंने अंत में भावुक होते हुए लिखा, मैं एक ऐसी बेटी हूं जिसे अब भी इस देश पर विश्वास है, कृपया मुझे इस विश्वास पर पछतावा न करने दें। यह पत्र अब कानूनी गलियारों और सार्वजनिक मंचों पर नई चर्चा का केंद्र बन गया है, जो एक हाई-प्रोफाइल मामले के दूसरे पक्ष की मानवीय जद्दोजहद को दर्शाता है।

जाते-जाते दिसंबर की सर्दी: उत्तर भारत में बारिश, बर्फबारी और घने कोहरे का अलर्ट

नई दिल्ली। साल 2025 का अंत देश के बड़े हिस्से में कड़कड़ाती ठंड और बारिश की दोहरी मार के साथ होने जा रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के ताजा अनुमानों के मुताबिक, उत्तर-पश्चिम भारत के कई राज्यों में बारिश और पहाड़ी क्षेत्रों में भारी बर्फबारी की संभावना है, जिससे तापमान में भारी गिरावट दर्ज की जा सकती है। देश की राजधानी दिल्ली में मंगलवार की सुबह घने कोहरे की चादर के साथ हुई, जिससे दृश्यता काफी कम रही और यातायात पर असर पड़ा। केवल दिल्ली ही नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्य भी आने वाले दिनों में घने कोहरे के साये में रहेंगे।

मौसम विभाग के अनुसार, एक नए विक्षोभ के सक्रिय होने से पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और पश्चिमी राजस्थान में 30 दिसंबर को हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। वहीं, पहाड़ों की बात करें तो जम्मू-कश्मीर, गिलगिट-बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 30 दिसंबर से 2 जनवरी के बीच छिटपुट बारिश के साथ बर्फबारी का अनुमान है। पहाड़ों पर हो रही इस बर्फबारी का सीधा असर मैदानी इलाकों पर पड़ेगा, जिससे ठिठुरन और बढ़ने के आसार हैं।कोहरे को लेकर जारी चेतावनी में बताया गया है कि 31 दिसंबर तक हरियाणा, चंडीगढ़, पंजाब और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सुबह और शाम के समय बहुत घना कोहरा छा सकता है। 1 जनवरी को पूर्वी उत्तर प्रदेश और 2 जनवरी तक ओडिशा में भी इसी तरह की स्थितियां बनी रहेंगी। इसके अलावा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड और सिक्किम जैसे राज्यों में 5 जनवरी तक घने कोहरे का प्रभाव बना रहेगा। हिमाचल प्रदेश में 31 दिसंबर और 1 जनवरी को शीत दिवस रहने की संभावना जताई गई है, जबकि उत्तर प्रदेश और बिहार में भी 30 दिसंबर को कड़ाके की ठंड पड़ने की उम्मीद है।

तापमान के उतार-चढ़ाव को लेकर मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि उत्तर-पश्चिम भारत में अगले दो दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन इसके बाद फिर से 2 से 3 डिग्री की गिरावट आएगी। मध्य भारत में भी न्यूनतम तापमान में वृद्धि दर्ज की जाएगी, जबकि पूर्वी भारत के राज्यों जैसे झारखंड में अगले पांच दिनों के दौरान धीरे-धीरे तापमान बढ़ेगा। हालांकि, ओडिशा के कुछ हिस्सों में 31 दिसंबर तक शीत लहर चलने की आशंका है, जो नए साल के स्वागत के जश्न को थोड़ा ठंडा कर सकती है। कुल मिलाकर, उत्तर से लेकर पूर्व तक पूरा भारत इस समय मौसम के कड़े मिजाज का सामना कर रहा है।

दिल्ली के प्रदूषण संकट पर संजीव सान्याल का बयान, प्रदूषण का ठीकरा दिवाली पर फोड़ना गलत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अर्थशास्त्री और इतिहासकार संजीव सान्याल ने दिल्ली के प्रदूषण संकट पर बयान दिया है। उनका मानना है कि प्रदूषण का ठीकरा दिवाली पर फोड़ना गलत है। इसके बजाय हमें बुनियादी कारणों, जैसे चरमराते पब्लिक ट्रांसपोर्ट और पैदल चलने लायक फुटपाथों की कमी पर ध्यान देना चाहिए।

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य ने कहा कि दिल्ली के प्रदूषण संकट का समाधान तभी हो सकता है जब नागरिक और नीति-निर्माता असली कारणों पर ध्यान दें, न कि बेकार की बहसों में उलझें। सान्याल ने बताया कि वायु प्रदूषण पर सार्वजनिक चर्चाएं अक्सर मुख्य मुद्दों पर भटक जाती हैं जिनका कोई खास असर नहीं होता। उन्होंने दिवाली पर होने वाली बहसों का जिक्र कर कहा, दुर्भाग्य से हम दिवाली के बारे में बेकार की बहस करते हैं, जिसका इससे कोई लेना-देना नहीं है।

सान्याल ने बताया कि दिल्ली में वायु प्रदूषण एक जटिल समस्या है। इसके कई दीर्घकालिक कारण हैं। इन पर गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने कहा, पराली जलाने के गंभीर मुद्दे हैं। यह समस्या का एक हिस्सा है। यह एकमात्र मुद्दा नहीं है। कंस्ट्रक्शन डस्ट यानी निर्माण धूल के गंभीर मुद्दे हैं। कूड़ा जलाने के मुद्दे हैं। इसी तरह के अन्य मुद्दे भी हैं।

हालांकि, उन्होंने जोड़ा कि यह प्रणाली सबसे महत्वपूर्ण चरण में विफल होती है। तब जब यात्री स्टेशन से बाहर निकलते हैं। सान्याल ने कहा, आप दिल्ली मेट्रो से बाहर निकलकर घोर अव्यवस्था में आ जाते हैं। उन्होंने समझाया कि असली समस्या उचित लास्ट-माइल कनेक्टिविटी की कमी में है।

पैदल चलने के महत्व पर जोर देकर सान्याल ने इस किसी भी शहर में परिवहन का सबसे जरूरी कदम बताया। उन्होंने कहा, यह सबसे सस्ता है। यह स्वीकार कर कि वे खुद एक साइक्लिस्?ट हैं, सान्याल ने स्पष्ट किया कि साइकिल चलाने को पैदल चलने के साथ भ्रमित नहीं किया जाना चाहिए। साइकिल चलाना पैदल चलने का स्थान नहीं ले सकता। उन्होंने पैदल चलने वालों के बुनियादी ढांचे, विशेष रूप से फुटपाथों में निवेश की कमी की भी आलोचना की। उनके अनुसार, शहर लगातार पैदल चलने वालों के स्थानों को प्राथमिकता देने में विफल रहते हैं। उन्होंने बताया कि जिसे अक्सर सड़क चौड़ीकरण कहा जाता है, वह वास्तव में पैदल चलने वालों को नुकसान पहुंचाता है। सान्याल ने कहा, सड़क चौड़ीकरण क्या है? यह पैदल चलने वाले स्थान को संकरा करना है।

शेफाली वर्माकी आईसीसी टी20आई रैंकिंग में बड़ी छलांग, टॉप-6 में हुई एंट्री

दुबई (एजेंसी)। भारतीय स्टार बल्लेबाज शेफाली वर्मा को मंगलवार को आईसीसी द्वारा जारी नवीनतम महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में महत्वपूर्ण बढ़ावा मिला है, क्योंकि वह छठे स्थान पर पहुंच गई हैं। श्रीलंका के खिलाफ घरेलू मैदान पर चल रही पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के बाद, दाएं हाथ की इस बल्लेबाज ने महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में चार पायदान ऊपर चढ़कर छठा स्थान हासिल किया है।

21 वर्षीय वर्मा श्रीलंका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में सबसे अधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं। चार मैचों में, भारतीय सलामी बल्लेबाज ने 118 के आश्चर्यजनक औसत से 236 रन बनाए हैं, जिसमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। वर्मा इस टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में 200 रन का आंकड़ा पार करने वाली एकमात्र खिलाड़ी हैं। उनकी साथी खिलाड़ी और विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋचा घोष भी सात पायदान ऊपर चढ़कर अद्यतन सूची में संयुक्त रूप से 20वें स्थान पर पहुंच गईं। यह उपलब्धि उन्होंने तिरुवनंतपुरम में श्रीलंका के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में खेली गई नाबाद 40 रन की पारी के बाद हासिल की।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज बेथ मूनी 794 रेटिंग अंकों के साथ शीर्ष पर बनी हुई हैं। वेस्टइंडीज की हेले मैथ्यूज 774 रेटिंग अंकों के साथ उनके बाद दूसरे स्थान पर हैं। भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना, जिन्होंने श्रीलंका के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान 10,000 अंतरराष्ट्रीय रन का आंकड़ा पार किया, 767 रेटिंग अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में भारतीय तेज गेंदबाज रेणुका सिंह और स्पिनर श्री चरानी को सबसे ज्यादा फायदा हुआ है।

दाएं हाथ की तेज गेंदबाज रेणुका, जिन्होंने श्रीलंका के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में चार विकेट लिए, आठ पायदान ऊपर चढ़कर गेंदबाजों की अद्यतन सूची में संयुक्त रूप से छठे स्थान पर पहुंच गईं। श्रीलंका के खिलाफ चल रही टी20 सीरीज में चार विकेट लेने वाली बाएं हाथ की स्पिनर चरानी गेंदबाजी रैंकिंग में 17 पायदान ऊपर चढ़कर 52वें स्थान पर पहुंच गई हैं। भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा 738 की रेटिंग के साथ शीर्ष स्थान पर बरकरार हैं। इसके अलावा, अनुभवी ऑलराउंडर को महिला टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बनने के लिए श्रीलंका के खिलाफ आगामी पांचवें टी20 मैच में एक और विकेट की जरूरत है। फिलहाल, दीप्ति के नाम 151 विकेट हैं, जो ऑस्ट्रेलिया की मेगन शट के 151 विकेट के बराबर हैं।

टेनिस जगत के नए 'बैटल ऑफ द सेक्सेस' में किर्गियोस ने सबालेंका को हराया

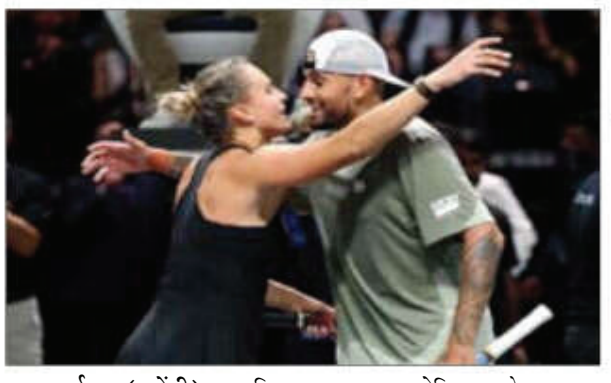

दुबई (एजेंसी)। निक किर्गियोस ने टेनिस में 'बैटल ऑफ द सेक्सेस' यानी दो अलग-अलग लिंग के खिलाड़ियों के बीच मुकाबले में महिला वर्ग में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका को 6-3, 6-3 से हराया। यह एक प्रदर्शनी मैच था जिसे लैंगिक समानता के लिए एक और ऐतिहासिक क्षण के बजाय हल्के फुल्के मनोरंजन के लिए याद किया जाएगा।

दोनों खिलाड़ी आपस में हंसी ठिठोली कर रहे थे। इस दौरान कुछ अंडर आर्म सर्विस भी देखने को मिली। यहां तक कि दुबई के 17,000 सीटों वाले कोकाकोला एरीना में दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए टाइमआउट के दौरान सबालेंका का नृत्य भी देखने को मिला। इस मुकाबले के सबसे महंगे टिकट लगभग 800 डॉलर में बिके।

विंबलडन 2022 के उपविजेता किर्गियोस ने कलाई और घुटने की चोटों के कारण पिछले तीन वर्षों में केवल छह टूर-स्तरीय मैच खेले लेकिन वह कई बार अपनी क्षमता के अनुरूप खेलते हुए दिखाई दिए। उन्हें सबालेंका के कोर्ट के हिस्से के लगभग 10 प्रतिशत छोटे होने का नुकसान उठाना पड़ा लेकिन इसके बावजूद उन्होंने जीत दर्ज की। खिलाड़ियों को प्रत्येक प्वाइंट के लिए दो के बजाय केवल एक सर्विस करने का मौका दिया गया था। जब किर्गियोस ने अपने तीसरे मैच प्वाइंट पर जीत हासिल की तब तक वह पसीने से भीग चुके थे और दोनों खिलाड़ी नेट पर गले मिलते समय मुस्कुरा रहे थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी किर्गियोस ने मैच के बाद कहा, 'मैं शुरू में थोड़ा नर्वस था लेकिन मुझे लगता है कि यह टेनिस के खेल के लिए एक शानदार कदम है।'

सबालेंका ने कहा, 'यह मैच अगले सत्र के लिए अच्छी तैयारी है। मुझे इसमें बहुत मजा आया और मुझे लगता है कि अगली बार जब मैं उनके खिलाफ खेलूंगी तो मुझे उनकी रणनीति, उनकी ताकत और उनकी कमजोरियों के बारे में पता होगा और यह निश्चित रूप से एक बेहतर मुकाबला होगा।' तथाकथित 'बैटल ऑफ द सेक्सेस' नाम 1973 में बिली जीन किंग और बॉबी रिग्स के बीच हुए मैच से लिया गया था। किंग ने ह्यूस्टन एस्ट्रोडोम में खेले गए उस मुकाबले को सीधे सेटों में जीता था।

पीसीबी ने अजहर महमूद से समय से पहले किया करार खत्म

– पाकिस्तान टेस्ट टीम में बड़ा बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने राष्ट्रीय टेस्ट टीम के मुख्य कोच अजहर महमूद से उनके अनुबंध की समाप्ति से तीन महीने पहले ही अलग होने का फैसला कर लिया है। पूर्व टेस्ट ऑलराउंडर अजहर महमूद का अनुबंध मार्च 2026 तक था, लेकिन बोर्ड ने उससे पहले ही यह अहम कदम उठा लिया। गौर करने वाली बात यह है कि पाकिस्तान की टेस्ट टीम अपना अगला मुकाबला भी मार्च 2026 में ही खेलने वाली है, ऐसे में पीसीबी का यह फैसला कई सवाल खड़े करता है।

पीसीबी से जुड़े एक विश्वसनीय सूत्र के अनुसार, बोर्ड भविष्य की रणनीति को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लेना चाहता है। सूत्र ने बताया कि अजहर महमूद का अनुबंध भले ही मार्च 2026 में खत्म होना था, लेकिन पाकिस्तान के आगामी टेस्ट दौरे भी उसी समय से शुरू होंगे। ऐसे में बोर्ड पहले से नए मुख्य कोच की तलाश शुरू कर देना चाहता है, ताकि आगे की तैयारियों में किसी तरह की जल्दबाजी न करनी पड़े। अजहर महमूद को दो साल के करार पर नियुक्त किया गया था और उन्होंने पिछले साल ही टेस्ट टीम के मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभाली थी।

सूत्रों का यह भी कहना है कि पीसीबी केवल मुख्य कोच ही नहीं, बल्कि टेस्ट टीम के सहायक कोचिंग स्टाफ में भी बदलाव कर सकता है। बोर्ड चाहता है कि नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र से पहले टीम का पूरा ढांचा स्पष्ट और स्थिर हो। पाकिस्तान का अगला टेस्ट अभियान आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के तहत मार्च 2026 में बांग्लादेश के दौरे से शुरू होगा। इसके बाद टीम जुलाई में वेस्टइंडीज और अगस्त-सितंबर में इंग्लैंड का दौरा करेगी। आगे चलकर पाकिस्तान नवंबर-दिसंबर 2026 में श्रीलंका और मार्च 2027 में न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगा, जो टीम के लिए बेहद अहम सीरीज होंगी। 50 वर्षीय अजहर महमूद का अंतरराष्ट्रीय करियर काफी अनुभवपूर्ण रहा है। उन्होंने पाकिस्तान के लिए 21 टेस्ट मैच खेले, जिसमें उनके नाम 900 रन और 39 विकेट दर्ज हैं। इसके अलावा उन्होंने 143 वनडे मैचों में 1521 रन बनाए और 123 विकेट हासिल किए। अजहर को इससे पहले आकिब जावेद की जगह राष्ट्रीय टेस्ट टीम का कोच बनाया गया था। अब उनके अचानक हटाए जाने के बाद यह देखना दिलचस्प होगा कि पीसीबी किस अनुभवी नाम पर भरोसा जताता है और क्या यह बदलाव पाकिस्तान की टेस्ट क्रिकेट की दिशा बदल पाएगा।

अश्विन ने वरुण चक्रवर्ती और अभिषेक शर्मा को बताया साल का असली सितारा

– मिलाजुला रहा भारत का 2025

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2025 भारतीय क्रिकेट के लिए उतार-चढ़ाव भरा रहा। टीम इंडिया ने साल की शुरुआत शानदार अंदाज में चैंपियंस ट्रॉफी जीतकर की और इसके बाद एशिया कप पर भी कब्जा जमाया। टी20 फॉर्मेट में भारत का दबदबा कायम रहा और टीम पूरे साल कोई भी टी20 सीरीज नहीं हारी। हालांकि टेस्ट क्रिकेट में टीम का प्रदर्शन उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सका। घरेलू मैदान पर साउथ अफ्रीका के खिलाफ 0-2 की हार ने फैंस को निराश किया, जबकि इंग्लैंड दौरे पर भारत ने कड़ी मेहनत के बाद टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराई। इस पूरे साल के प्रदर्शन को देखते हुए पूर्व भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने दो ऐसे खिलाड़ियों के नाम बताए हैं, जिन्होंने 2025 में अपनी शानदार खेल से सबका ध्यान खींचा।

अश्विन ने मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को 2025 का भारत का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज करार दिया। अपने यूट्यूब चैनल पर उन्होंने कहा कि वरुण हर बार टीम के लिए एक्स-फैक्टर साबित हुए हैं। जब भी उन्हें मौका मिला, उन्होंने विकेट निकालकर मैच का रुख बदला। अश्विन के मुताबिक, विपक्षी बल्लेबाजों के लिए वरुण को पढ़ पाना बेहद मुश्किल रहा है और यही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने यह भी कहा कि 2026 टी20 वर्ल्ड कप में भारत की संभावनाओं के लिहाज से वरुण चक्रवर्ती की भूमिका बेहद अहम होने वाली है। आंकड़े भी इस बात की गवाही देते हैं, क्योंकि वरुण ने चार वनडे मैचों में 10 विकेट और 20 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 36 विकेट लेकर खुद को व्हाइट-बॉल क्रिकेट का भरोसेमंद गेंदबाज साबित किया है।

अश्विन ने बल्लेबाजी में अभिषेक शर्मा की भी जमकर सराहना की। उन्होंने अभिषेक को भारत की अगली पीढ़ी का एक्स-फैक्टर खिलाड़ी बताया। अश्विन का मानना है कि 2025 में अगर किसी एक खिलाड़ी ने भारत के लिए सबसे ज्यादा प्रभावित किया है तो वह अभिषेक शर्मा हैं। लेफ्ट-हैंड ओपनर ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए 21 मैचों में 42.95 की औसत और करीब 193 के स्ट्राइक रेट से 859 रन बनाए, जिसमें एक शतक और पांच अर्धशतक शामिल हैं। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने भारत को कई मुकाबलों में मजबूत शुरुआत दिलाई।

साल 2025 में एक दौर ऐसा भी आया जब विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे सीनियर खिलाड़ियों के करियर को लेकर सवाल उठने लगे थे। दोनों ही खिलाड़ी टेस्ट और टी20 से संन्यास ले चुके हैं, लेकिन साल के अंत तक उन्होंने दिखा दिया कि वनडे क्रिकेट में उनके पास अभी भी बहुत कुछ देने के लिए बाकी है। अश्विन ने कहा कि रोहित और विराट दोनों के भीतर 50 ओवर का वर्ल्ड कप जीतने की जबरदस्त भूख है और वे 2027 वर्ल्ड कप को लक्ष्य बनाकर पूरी मेहनत कर रहे हैं। उनके मुताबिक, फैंस को इन दिग्गजों के हर मैच का आनंद लेना चाहिए, क्योंकि उन्होंने भारतीय क्रिकेट के कई दौरों को नई पहचान दी है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में बुमराह, पंड्या को आराम दे सकता है भारत

मुम्बई । आगामी टी20 विश्वकप को देखते हुए तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को न्यूजीलैंड के खिलाफ जनवरी में होने वाली एकदिवसीय सीरीज में आराम दिया जा सकता है। एक रिपोर्ट के अनुसार चयनकर्ता जनवरी की शुरुआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए टीम की घोषणा कर सकते हैं। इसमें फिटनेस, वर्कलोड मैनेजमेंट और बड़े टूर्नामेंटों को ध्यान में रखते हुए खिलाड़ियों को जगह दी जाएगी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच एकदिवसीय मुकाबले बड़ौदा, राजकोट और इंदौर में खेले जाएंगे। इसके बाद दोनों टीमें पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज खेलेंगी, जो फरवरी 2026 में होने वाले आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप को देखते हुए अभ्यास को देखते हुए बेहद अहम रहेगी।

गावस्कर ने आईसीसी की पिच रेटिंग प्रणाली पर सवाल उठाये

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की पिच रेटिंग प्रणाली पर निशाना साधा है। गावस्कर ने कहा कि एशेज में मैच दो से तीन दिन में खत्म हो रहे हैं पर पिचों को लेकर आईसीसी ने कोई सख्त प्रतिक्रिया नहीं दी है। वहीं जब ऐसा भारत या अन्य एशियाई देशों में होता है तो पिचों को खराब करार दे दिया जाता है। गावस्कर ने कहा कि मेलबर्न क्रिकेट मैदान में खेला गया चौथा एशेज टेस्ट दो दिन में ही समाप्त हो गया था। इसमें पहले ही दिन कुल 20 विकेट गिर गए, जो ऑस्ट्रेलिया में किसी टेस्ट के पहले दिन गिरे विकेटों के हिसाब से सबसे अधिक था। वहीं दूसरे दिन भी 16 और विकेट गिरे, जिसके बाद मुकाबला दो दिन भी नहीं चल पाया। इसके बाद भी आईसीसी ने पिच को खराब नहीं बताया। गावस्कर ने पर्थ में खेले गए पहले एशेज टेस्ट का भी मामल उठाया और कहा कि उसमें भी मैच दो दिन के अंदर समाप्त हो गया था। तब भी आईसीसी ने कोई नकारात्मक प्रतिक्रिय नहीं दी। गावस्कर ने मैच रेफरी पर भी सवाल उठाये और कहा कि पर्थ टेस्ट में रंजन मदुगले के रहते पिच को काफी अच्छा कहा गया, जबकि मेलबर्न टेस्ट में नए मैच रेफरी जेफ क्रो होने के कारण उसी तरह की पिच को केवल अच्छा कहा गया जबकि दोनो ही मैच दो दिन ही चले। गावस्कर ने कहा कि दूसरी ओर अगर ऐसा ही कुछ भारतीय पिचों पर होता है तो क्यूरेटरों पर सवाल उठाये जाते हैं। गावस्कर ने कहा कि पर्थ और मेलबर्न की पिचों को कई पूर्व क्रिकेटरों ने भी खराब बताया था फिर भी आईसीसी ने कोई कठोर प्रतिक्रिया नहीं दी।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 की सेमीफाइनलिस्ट टीमों को लेकर हरभजन सिंह की भविष्यवाणी

– कहा पाकिस्तान बाहर तो अफगानिस्तान अंतिम चार में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के आयोजन में अभी समय बाकी है, लेकिन उससे पहले ही पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने इस बड़े टूर्नामेंट को लेकर अपनी भविष्यवाणी कर दी है। फरवरी 2026 में भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले इस 20 टीमों के टूर्नामेंट को लेकर भज्जी ने चार संभावित सेमीफाइनलिस्ट टीमों के नाम बताए हैं। खास बात यह है कि उनकी सूची में डिफेंडिंग चैंपियन भारत के साथ एक ऐसी टीम भी शामिल है, जिसने सबको चौंका दिया है। हरभजन ने पाकिस्तान को बाहर रखते हुए अफगानिस्तान को सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली टीमों में चुना है।

हरभजन सिंह की इस भविष्यवाणी में भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान को सेमीफाइनलिस्ट बताया गया है। पाकिस्तान को बाहर करने और अफगानिस्तान को आगे रखने का फैसला कई लोगों को हैरान कर सकता है, क्योंकि आईसीसी टी20 रैंकिंग में पाकिस्तान सातवें जबकि अफगानिस्तान दसवें स्थान पर है। हालांकि, हाल के वर्षों में अफगानिस्तान ने आईसीसी टूर्नामेंट्स में अपने प्रदर्शन से यह साबित किया है कि वह सीमित ओवरों के क्रिकेट में किसी भी बड़ी टीम को चुनौती दे सकता है। मजबूत स्पिन अटैक और निडर क्रिकेट उसकी पहचान बन चुकी है।

एक मीडिया से बातचीत में हरभजन सिंह ने भारत को लेकर भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि टीम इंडिया के पास टी20 वर्ल्ड कप जीतने का शानदार मौका है, क्योंकि वह घरेलू परिस्थितियों में खेलेगी और बाकी टीमों की तुलना में हालात को बेहतर तरीके से समझती है। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि वर्ल्ड कप का दबाव हमेशा एक अलग चुनौती होता है और इसे संभालना सबसे अहम पहलू होगा। अगर भारतीय टीम इस दबाव को सही ढंग से झेल लेती है, तो उसका खिताब जीतना पूरी तरह संभव है।

टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास पर नजर डालें तो ऑस्ट्रेलिया ने 2021 में अपना पहला टी20 खिताब जीता था, जबकि भारत 2007 और 2024 में दो बार चैंपियन बन चुका है। साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान अभी भी अपने पहले टी20 वर्ल्ड कप खिताब की तलाश में हैं। साउथ अफ्रीका ने 2024 में पहली बार फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन उसे भारत के हाथों हार झेलनी पड़ी थी। हरभजन सिंह ने 2026 वर्ल्ड कप के लिए भारत के कुछ अहम खिलाड़ियों का भी जिक्र किया। उनके मुताबिक अभिषेक शर्मा, हार्दिक पांड्या, सूर्यकुमार यादव, जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह इस टूर्नामेंट में भारत की सफलता की कुंजी होंगे। अभिषेक शर्मा के लिए यह पहला टी20 वर्ल्ड कप होगा, जबकि बाकी चार खिलाड़ी 2024 में भारत को चैंपियन बनाने में निर्णायक भूमिका निभा चुके हैं।

एशले गार्डनर का भरोसा, खिताब न होने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया ही दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम

नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया की स्टार ऑलराउंडर एशले गार्डनर का मानना है कि भले ही उनकी टीम इस समय टी20 या वनडे फॉर्मेट की मौजूदा चैंपियन न हो, लेकिन इसके बावजूद ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम बनी हुई है। गार्डनर ने कहा कि हाल के आईसीसी टूर्नामेंट्स में मिली हार ने टीम पर एक ऐसा दबाव डाला है, जिसकी उसे आदत नहीं रही, लेकिन यही दबाव उन्हें और बेहतर बनने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि फरवरी में जब ऑस्ट्रेलिया घरेलू धरती पर भारत की मेजबानी करेगा, तो टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने में सफल रहेगी। गार्डनर ने हाल ही में एक बातचीत के दौरान कहा कि पिछले कुछ समय में ऑस्ट्रेलियाई टीम को अपेक्षा से ज्यादा दबाव झेलना पड़ा है। उन्होंने स्वीकार किया कि टी20 और वनडे विश्व कप में मिली हार आसान नहीं थी, लेकिन इसके बावजूद उनका भरोसा अपनी टीम की ताकत पर कायम है। गार्डनर के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया अब भी ऐसी टीम है जो किसी भी हालात में मुकाबला पलटने की क्षमता रखती है और यही उसे बाकी टीमों से अलग बनाती है। ऑस्ट्रेलिया अगले साल फरवरी और मार्च में भारत की मेजबानी करेगा, जहां दोनों टीमों के बीच तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय, तीन वनडे और एक टेस्ट मैच की सीरीज खेली जाएगी। गार्डनर ने कहा कि भारत इस दौरे पर पूरे आत्मविश्वास के साथ उतरेगा और ऐसा होना स्वाभाविक भी है, क्योंकि हाल के समय में भारतीय टीम ने बेहतरीन क्रिकेट खेली है। उन्होंने याद दिलाया कि विश्व कप से पहले की वनडे सीरीज में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को कड़ी चुनौती दी थी और फिर विश्व कप के सेमीफाइनल में भी भारत का पलड़ा भारी रहा था। गार्डनर ने माना कि घरेलू परिस्थितियों में खेलने का फायदा ऑस्ट्रेलिया को मिलेगा, लेकिन उन्होंने यह भी साफ किया कि भारत को किसी भी तरह से कमतर आंकना बड़ी भूल होगी। उनके अनुसार, भारतीय टीम ऑस्ट्रेलियाई हालात को तेजी से समझने की कोशिश कर रही है, जबकि मेजबान टीम इन परिस्थितियों से बेहतर वाकिफ है। ऐसे में मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि पिछले 12 से 18 महीनों में ऑस्ट्रेलिया ने केवल दो मैच गंवाए हैं और दोनों ही सेमीफाइनल थे। गार्डनर के मुताबिक, यह आंकड़ा टीम की निरंतरता और मजबूती को दर्शाता है। हालांकि, 2024 टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली हार अभी भी टीम के लिए एक सबक है, जिससे सीख लेकर ऑस्ट्रेलिया आगे और मजबूत होकर लौटना चाहता है।

विजय हजारे ट्रॉफी में अमन खान का महंगा स्पेल बना चर्चा का विषय, सीएसके की बढ़ी चिंता

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग की सबसे सफल टीमों में शुमार चेन्नई सुपर किंग्स के खेमे में उस समय हलचल मच गई, जब विजय हजारे ट्रॉफी से जुड़ी एक चौंकाने वाली खबर सामने आई। पुडुचेरी के कप्तान अमन खान ने झारखंड के खिलाफ खेले गए मुकाबले में ऐसा रिकॉर्ड बना दिया, जिसे कोई भी गेंदबाज अपने नाम नहीं करना चाहेगा। 29 दिसंबर को खेले गए इस लिस्ट ए मैच में अमन खान ने अपने पूरे दस ओवर के स्पेल में 123 रन लुटा दिए, जो लिस्ट ए क्रिकेट के इतिहास का सबसे महंगा गेंदबाजी स्पेल साबित हुआ। अमन खान को आईपीएल 2026 की नीलामी में चेन्नई सुपर किंग्स ने 40 लाख रुपये में अपनी टीम में शामिल किया है। इससे पहले वह कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स जैसी टीमों का भी हिस्सा रह चुके हैं। ऐसे में उनके इस प्रदर्शन ने सीएसके मैनेजमेंट और फैंस दोनों को चिंता में डाल दिया है। विजय हजारे ट्रॉफी के इस मुकाबले में अमन ने न सिर्फ जमकर रन दिए, बल्कि दस ओवर पूरे करने के बावजूद सिर्फ एक ही विकेट हासिल कर सके। उन्होंने दो वाइड भी फेंकी, जिससे उनका स्पेल और ज्यादा महंगा नजर आया।

रोको का टेस्ट से संन्यास स्वाभाविक नहीं, उथप्पा के बयान से फिर गरमाई बहस

- संन्यास को लेकर उठे सवाल आज भी नहीं थम रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के दो सबसे बड़े सितारे रोहित शर्मा और विराट कोहली भले ही टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह चुके हों, लेकिन उनके संन्यास को लेकर उठे सवाल आज भी थमे नहीं हैं। टेस्ट से रिटायरमेंट के सात महीने बाद भी यह बहस जारी है कि क्या दोनों दिग्गजों ने अपनी मर्जी से यह फैसला लिया था या परिस्थितियों ने उन्हें इसके लिए मजबूर कर दिया। अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा के बयान ने इस चर्चा को एक बार फिर हवा दे दी है। उथप्पा का मानना है कि विराट और रोहित का टेस्ट क्रिकेट से जाना किसी भी तरह से 'नेचुरल एग्जिट' यानी स्वाभाविक विदाई नहीं लगता। मई महीने में आईपीएल 2025 के दौरान रोहित शर्मा और विराट कोहली ने कुछ ही दिनों के अंतराल में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर क्रिकेट जगत को चौंका दिया था। सबसे पहले रोहित शर्मा ने सोशल मीडिया के जरिए अपने फैसले की जानकारी दी थी। यह घोषणा ऐसे समय पर सामने आई थी, जब खबरें आ रही थीं कि इंग्लैंड दौरे से पहले बीसीसीआई के चयनकर्ता उन्हें टेस्ट कप्तानी से हटाने पर विचार कर रहे हैं। फैंस अभी रोहित के संन्यास के कारणों को समझने की कोशिश कर ही रहे थे कि विराट कोहली ने भी टेस्ट से रिटायरमेंट का ऐलान कर सभी को हैरान कर दिया।

विराट कोहली का फैसला इसलिए भी ज्यादा चौंकाने वाला माना गया क्योंकि वह इंग्लैंड दौरे की तैयारियों में जुटे हुए थे। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में शतक जड़ने के बाद उनका आत्मविश्वास ऊंचाई पर था और माना जा रहा था कि इंग्लैंड की परिस्थितियों में वह एक बार फिर बड़ी पारियां खेलना चाहते हैं। दिल्ली के रणजी कोच सरनदीप सिंह ने भी दावा किया था कि कोहली इंग्लैंड दौरे को लेकर बेहद उत्साहित थे और पूरी तैयारी कर रहे थे। रॉबिन उथप्पा ने अपने यूट्यूब चैनल पर इस पूरे मामले पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें यह फैसला किसी भी तरह से स्वाभाविक नहीं लगता। उथप्पा के मुताबिक, यह कहना मुश्किल है कि दोनों पर किसी तरह का दबाव था या नहीं, लेकिन यह साफ है कि यह 'नेचुरल एग्जिट' नहीं था। उनका मानना है कि असली सच्चाई तभी सामने आएगी, जब विराट और रोहित खुद सही समय पर इसे साझा करने का फैसला करेंगे।

उथप्पा ने यह भी कहा कि जब रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे थे, तब उन्हें लगा था कि रोहित को कुछ समय

का ब्रेक लेकर फिटनेस और मानसिक मजबूती पर काम करना चाहिए। उनके अनुसार, विराट और रोहित दोनों की आंखों में आज भी रन बनाने की भूख साफ नजर आती है। यही वजह है कि उनके अचानक लिए गए इस फैसले को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है और यह बहस शायद तब तक चलती रहेगी, जब तक दोनों दिग्गज खुद अपनी चुप्पी नहीं तोड़ते।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 का क्रेज शिखर पर, 15 करोड़ से ज्यादा टिकट रिक्वेस्ट से बना रिकॉर्ड

जेनेवा। फीफा ने सोमवार को बताया कि फीफा वर्ल्ड कप 2026 के लिए अब तक 15 करोड़ से अधिक टिकट रिक्वेस्ट मिल चुकी हैं। यह आंकड़ा वर्ल्ड कप टिकटिंग के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है, जबकि रैंडम सिलेक्शन ड्रॉ का मौजूदा चरण अभी आधा ही पूरा हुआ है।

200 से ज्यादा देशों से फैंस की बाढ़- फीफा के अनुसार, 11 दिसंबर को रैंडम सिलेक्शन ड्रॉ टिकटिंग फेज शुरू होने के बाद से 200 से अधिक देशों और क्षेत्रों के फैंस ने fifa.com/tickets प्लेटफॉर्म पर भारी संख्या में आवेदन किए हैं। यह चरण 13 जनवरी 2026 को समाप्त होगा।

30 गुना से ज्यादा ओवरसब्सक्रिप्शन- फीफा ने बताया कि 2026 वर्ल्ड कप के लिए हर टिकट आवेदन के साथ सबमिट किए गए वेरिफाइड व्यक्तिगत क्रेडिट कार्ड नंबरों के आधार पर 30 गुना से ज्यादा ओवरसब्सक्रिप्शन दर्ज किया गया है। दिलचस्प बात यह है कि यह मांग 1930 से अब तक खेले गए सभी 22 वर्ल्ड कप संस्करणों के 964 मैचों में मौजूद कुल दर्शकों की संख्या से 3.4 गुना अधिक है।

इन्फेंटिनो बोले—दुनिया का सबसे बड़ा और समावेशी शो-

फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा, 'फीफा वर्ल्ड कप 2026 दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे अधिक समावेशी आयोजन होगा। फैंस की यह जबरदस्त प्रतिक्रिया इस बात का प्रमाण है कि हमारा खेल दुनिया भर में कितना लोकप्रिय है। उत्तरी अमेरिका में हम इतिहास रचने जा रहे हैं, जहां एकता और बेहतरीन फुटबॉल के जश्न में पूरी दुनिया पहले से कहीं ज्यादा एक साथ आएगी।'

तीन देशों में होगा आयोजन, 48 टीमें लेंगी हिस्सा- फीफा वर्ल्ड कप 2026 का आगाज 11 जून को होगा। यह टूर्नामेंट कनाडा, मैक्सिको और संयुक्त राज्य अमेरिका के 16 शहरों में आयोजित किया जाएगा। 48 टीमें, कुल 104 मैच, फाइनल- 19 जुलाई।

डेंटल सर्जन से अभिनेत्री बनी श्रेया शर्मा, धैर्य और विश्वास के बल पर मस्ती 4 में बनाई जगह

डेंटल सर्जन से अभिनेत्री बनने तक श्रेया शर्मा का सफ़र किसी फ़िल्मी कहानी से कम नहीं है। हरियाणा के एक मेडिकल परिवार से निकलकर उन्होंने अपने सुरक्षित करियर को छोड़ अभिनय के सपने को चुना। बिना किसी फ़िल्मी बैकग्राउंड के मुंबई आकर श्रेया शर्मा ने संघर्ष, ऑडिशन और अस्वीकृतियों का सामना किया। मेहनत, धैर्य और अपने सपनों पर अटूट विश्वास के बल पर उन्होंने मस्ती 4 जैसी बड़ी फ़िल्म में अपनी जगह बनाई।

कितने ऑडिशन दिए और किसी प्रोजेक्ट को करने से पहले कितनी बार रिजेक्ट हुई?

जब मैं पहली बार मुंबई पहुंची, तो सबसे बड़ी दिक्कत ये थी कि आखिर रहूं कहां। घर ढूंढने में ही एक महीना लग गया। फिर तीन महीने बाद मैंने काम की तलाश शुरू की। मेरा मेडिकल बैकग्राउंड था, इसलिए इंडस्ट्री के बारे में उतना आइडिया नहीं था। मैंने एक लिस्ट बना ली थी कि इंडस्ट्री में किन-किन लोगों से मुझे मिलना है। मैंने अपना एक अच्छा-सा पोर्टफोलियो भी तैयार किया, ताकि ये दिखा सकूं कि मैं किस तरह के काम करना चाहती हूं। मैंने काफी सारे वर्कशॉप्स भी किए हैं। मैं एक वुमन आर्मी हूं और इंडस्ट्री में मैंने थोड़ा लेट कदम रखा है, लेकिन मुझे एक्टिंग से प्यार है और वो मुकाम मैं जरूर हासिल करूंगी।

मस्ती 4 फिल्म कैसे मिली आपको? कितना पापड़ बेलना पड़ा इस फिल्म को हासिल करने के लिए?

मैंने एक फिल्म की शूटिंग खत्म की थी। उस फिल्म के बाद मैं एक प्रोड्यूसर के ज़रिए मिलान मिलाप जावेरी सर से मिली। उस वक्त मस्ती 4 के ऑडिशन चल रहे थे। मैंने अपनी फिल्म के किरदार 'आंचल' नाम की लड़की के लिए ऑडिशन दिया। जब मिलाप सर मुझे उस किरदार के बारे में बता रहे थे कि वो लड़की अपने हसबैंड का फोन चेक करती है, लोकेशन मंगवाती है, तो मैंने उनसे कहा कि सर, मैं तो रियल लाइफ में भी ऐसी ही हूं। ऑडिशन देने के बाद मैंने बहुत लंबा इंतज़ार किया और डेली कॉल करके पूछा करती थी। मैं किसी भी हाल में ये फिल्म करना चाहती थी, क्योंकि इसी फिल्म से मुझे इंडस्ट्री में ब्रेक मिलता। और कौन नहीं चाहता है आफताब शिवदासानी, विवेक ओबेरॉय, रितेश देशमुख और अरशद वारसी जैसे एक्टर्स के अपोजिट काम करना, मेरे लिए ये एक बहुत बड़ी ऑपर्च्युनिटी थी।

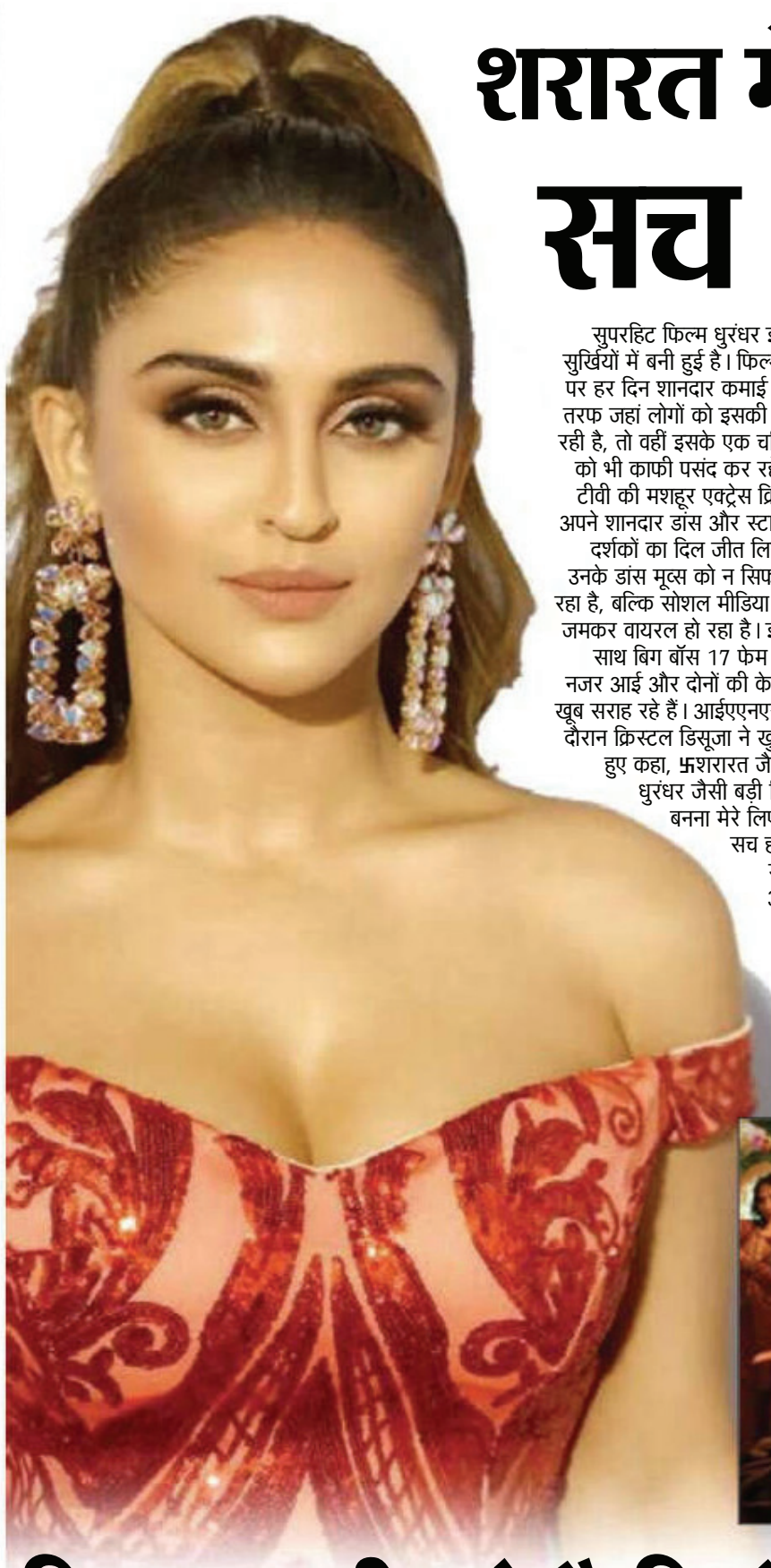

शरारत मेरे लिए सपने सच होने जैसा

सुपरहिट फिल्म धुरंधर इन दिनों लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हर दिन शानदार कमाई कर रही है। एक तरफ जहां लोगों को इसकी कहानी पसंद आ रही है, तो वहीं इसके एक चर्चित गाने शरारत को भी काफी पसंद कर रहे हैं। इस गाने में टीवी की मशहूर एक्ट्रेस क्रिस्टल डिसूजा ने अपने शानदार डांस और स्टाइलिश अंदाज से दर्शकों का दिल जीत लिया है। शरारत में उनके डांस मूव्स को न सिर्फ पसंद किया जा रहा है, बल्कि सोशल मीडिया पर भी यह गाना जमकर वायरल हो रहा है। इस गाने में उनके साथ बिग बॉस 17 फेम आयशा खान भी नजर आई और दोनों की केमिस्ट्री को दर्शक खूब सराह रहे हैं। आईएएनएस से बातचीत के दौरान क्रिस्टल डिसूजा ने खुशी जाहिर करते हुए कहा, ‘शरारत जैसे गाने के जरिए धुरंधर जैसी बड़ी फिल्म का हिस्सा बनना मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। जब मुझे इस गाने का ऑफर मिला, तब मेरे लिए गाने से ज्यादा फिल्म की स्टारकास्ट मायने रखती थीं, क्योंकि इसमें रणवीर सिंह, संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर. माधवन, अर्जुन रामपाल, सारा अर्जुन और राकेश बेदी जैसे दिग्गज कलाकार शामिल हैं। ऐसे बड़े नामों के साथ जुड़ना ही मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी।

क्रिस्टल ने बताया, जब मैंने गाने की शूटिंग शुरू की, तब मुझे इसका कोई अंदाजा नहीं था कि शरारत गाने को कितना फुटेज मिलेगा, कितनी स्क्रीन टाइम होगी, या यह गाना कितना पॉपुलर होगा। मैंने बिना किसी उम्मीद के इस प्रोजेक्ट को हां किया था, क्योंकि मैं बस इस फिल्म का हिस्सा बनना चाहती थी। आज जब यह गाना दुनियाभर में पसंद किया जा रहा है, तो यह देखकर बेहद खुशी महसूस हो रही है। उन्होंने बताया कि इस गाने की शूटिंग महज तीन दिनों में पूरी की गई थी, लेकिन मेहनत और एनर्जी पूरी टीम ने भरपूर लगाई। जब उनसे कोरियोग्राफर विजय गांगुली के एक इंटरव्यू के बयान को लेकर पूछा गया, जिसमें उन्होंने बताया कि इस गाने के लिए उन्होंने सबसे पहला नाम तमन्ना भाटिया का दिया था, तो इस सवाल पर क्रिस्टल ने बेहद सादगी के साथ जवाब देते हुए कहा, तमन्ना बेहद खूबसूरत और टैलेंटेड एक्ट्रेस हैं और उनका अंदाज सबसे अलग है। लेकिन मेरा मानना है कि जो चीज आपकी किस्मत में होती है, वही आपको मिलती है। यह गाना मेरी और आयशा खान की किस्मत में लिखा था और इसलिए यह हमें मिला।

सलमान की फिल्म से क्लैश नहीं करेगी आलिया की फिल्म, अल्फा की रिलीज डेट आगे बढ़ाई गई

आलिया भट्ट और सलमान खान की फिल्मों के बीच होने वाली बॉक्स ऑफिस टक्कर अब नहीं होगी। यह टक्कर अगले साल अप्रैल के महीने में होने वाली थी। आलिया की आने वाली फिल्म अल्फा की रिलीज तारीख बदल दी गई है। यह फिल्म पहले 17 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में आने वाली थी। अब मेकर्स नई रिलीज तारीख जल्द बताएंगे। इस फैसले की जानकारी ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने शनिवार को अपने एक्स अकाउंट पर दी। उन्होंने लिखा कि यह फैसला सलमान खान की फिल्म बैटल ऑफ गलवान से सीधी टक्कर से बचने के लिए लिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रोडक्शन हाउस यश राज फिल्म्स अब थिएटर कैलेंडर देखकर नई तारीख तय करेगा। पोस्ट में उन्होंने लिखा कि पहले 2 अप्रैल 2026 की तारीख तय थी, लेकिन अब उस तारीख को आगे बढ़ा दिया गया है। आने वाले कुछ महीनों में नई रिलीज तारीख का ऐलान होगा। यह दूसरी बार है जब अल्फा की रिलीज टली है। इससे पहले यह फिल्म क्रिसमस 2025 पर रिलीज होनी थी। बाद में पोस्ट-प्रोडक्शन के लिए ज्यादा समय देने के चलते इसकी रिलीज डेट 2 अप्रैल 2026 तय की गई। फिल्म में आलिया भट्ट के साथ शरवरी और बॉबी देओल अहम रोल में हैं। हाल ही में फिल्म वार 2 के पोस्ट क्रेडिट सीन में अल्फा से जुड़ा एक सीन दिखाया गया था। उस सीन में बॉबी देओल की एंट्री दिखाई गई। सीन में वह एक लड़की के हाथ पर एजेंसी का लोगो लगाते हैं। लड़की पूछती है कि इसका क्या मतलब है। वह जवाब देते हैं कि अल्फा ग्रीक अल्फाबेट का पहला अक्षर है। यह उनके प्रोग्राम का मोटो है। इसका मतलब है, सबसे पहला, सबसे तेज और सबसे मजबूत।

बैटल ऑफ गलवान में नजर आएंगे सलमान

वहीं सलमान खान स्टारर बैटल ऑफ गलवान की बात करें, तो इसे अपूर्व लाखिया डायरेक्ट कर रहे हैं। यह फिल्म साल 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन की सेनाओं के बीच हुई झड़प पर आधारित है, जो बिना एक भी गोली चलाए लड़ी गई थी।

किच्चा सुदीप ने कैमियो कल्चर पर निकाली भड़ास

साउथ एक्टर किच्चा सुदीप की फिल्म मार्क 25 दिसंबर, 2025 को क्रिसमस के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। इसमें उन्होंने अजय मार्कंडेय का किरदार निभाया है, जो सस्पेंडेड पुलिस ऑफिस है। अब इस मूवी को जहां क्रिटिक्स का पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला है। वहीं, एक्टर ने एक इंटरव्यू में कैमियो को लेकर कुछ विवादित कह दिया है। एक इंटरव्यू में किच्चा सुदीप ने कहा कि एक्टर के तौर पर उन्होंने दूसरी भाषाओं की फिल्मों में कैमियो रोल किया है लेकिन एक्टर्स साउथ की फिल्मों में एक्ट करने नहीं आ रहे हैं। उन्होंने ये भी बताया कि उन्होंने कुछ कलाकारों को पर्सलनी भी कहा था। उनसे गुजारिश की थी लेकिन कुछ नहीं हुआ।

किच्चा सुदीप ने दूसरी इंडस्ट्रीज पर निकली भड़ास

एक्टर ने कहा, हम दूसरी भाषाओं की फिल्मों में कैमियो रोल कर रहे हैं, लेकिन कलाकार हमारी फिल्मों में आकर अभिनय नहीं कर रहे हैं। मैंने कुछ आर्टिस्ट्स से व्यक्तिगत रूप से अनुरोध भी किया, लेकिन बात नहीं बनी। यह दोनों पक्षों के सहयोग से होना चाहिए, लेकिन मुझे अभी ऐसा होता नहीं दिख रहा है। यहां तक कि शिवराजकुमार सर ने भी जेलर में अभिनय किया था, जिससे ये साफ दिखता है कि दूसरी इंडस्ट्रीज के बीच आपसी सहयोग कैसा होना चाहिए।

किच्चा सुदीप ने फी में की थी दबंग 3

पैसे से ज्यादा दोस्ती को अहमियत देने की बात करते हुए एक्टर ने दबंग 3 के बारे में कहा, मैंने दूसरी भाषाओं में फिल्में दोस्ती के लिए कीं, पैसे के लिए नहीं। मैंने दबंग 3 में इसलिए काम किया क्योंकि सलमान भाई ने मुझसे खुद गुजारिश की थी, और मैंने इसके लिए कोई फीस नहीं ली। मैंने पुली भी थलपति विजय की वजह से की। वो कभी किसी के बारे में बुरा नहीं बोलते, और मुझे ये बात अच्छी लगती है। लेकिन नानी की स्क्रिप्ट ऐसी थी, जिसने मुझे सच में इम्प्रेस किया।

नागिन 7 में प्रियंका जैसी सच्ची दोस्त मिलने के लिए शुक्रगुजार हूं

बिग बॉस 18 से निकलकर नागिन फ्रैंचाइजी में एंट्री करने वाली टीवी एक्ट्रेस ईशा सिंह ने बातचीत के दौरान अपनी जर्नी, फैमिली सपोर्ट, प्रियंका और नमिक जैसे को-स्टार्स से बॉन्डिंग, मुंबई-भोपाल के फर्क और नेगेटिविटी से दूर रहने की सीख शेयर कीं।

नागिन इतनी बड़ी फ्रेंचाइजी है। बिग बॉस 18 में रहते हुए ही इसकी बात पता चल गई थी। उस वक्त तो बता नहीं सकती थीं। पहली बार जब पता चला, तो क्या फीलिंग हुई?

कलर्स मेरे लिए घर जैसा है। इतना बड़ा फ्रेंचाइजी, ऊपर से एकता मैम का शो और बालाजी टेलीफिल्म्स,सब कुछ परफेक्ट। ऑफर आया तो सोचा क्यों न ट्राई करें, कैरेक्टर बिल्कुल अलग था। नागिन शूटिंग ने नए मौके खोले।

फैंस सोच रहे हैं कि आप खतरों के खिलाड़ी करेंगी?

पिछले साल खतरों के खिलाड़ी में बहुत बुरा अनुभव हुआ था। अभी कोई प्लान नहीं है, लेकिन कभी-कभी नेवर कहकर भी कर लिया जाता है। बिग बॉस से पहले भी मैंने मना किया था, लेकिन कर लिया। हो सकता है अगले साल सांप-बिच्छू वाले स्टंट्स कर रही हूं।

बहुत शानदार शुरुआत हुई है। प्रियंका भी बिग बॉस में रह चुकी हैं, नामिक पॉल भी हैं, ये कमाल के कलाकार हैं। इनके साथ आपकी बॉन्डिंग कैसी रही? शूटिंग का आपका अनुभव कैसा रहा?

बहुत अच्छा रहा। सिर्फ ये दो नहीं, बाकी सारे कलाकार भी बहुत अच्छे लोग थे। प्रियंका तो मेरी बहन जैसी लगने लगी है, शो में भी सिस्टर-सिस्टर का बॉन्ड है और ऑफ-स्क्रीन भी। वो फैमिली जैसी हैं, बहुत खूबसूरत इंसान हैं, प्यारी लड़की। हम दोनों बहुत अटैच्ड हैं। इस शो से मुझे कई अच्छे दोस्त मिले, और नागिन 7 में प्रियंका जैसी सच्ची दोस्त मिलने के लिए हमेशा शुक्रगुजार रहूंगी।

आप कमाल लग रही हैं। प्रियंका का लुक भी शानदार है, क्योंकि उन्हें डबल रोल निभाना है। पेरेंट्स, भाई और रुद्राक्ष का रिएक्शन कैसा रहा?

अभी उनका रिएक्शन देखना बाकी है। मैंने सिर्फ फर्स्ट एपिसोड की कुछ क्लिप्स देखी हैं, लेकिन वो लोग देख चुके हैं। इंतजार कर रही हूं कि उन्हें कैसा लगा। रुद्राक्ष तो हमेशा मेरा मजाक उड़ाता है, बिग बॉस में भी उड़ाया था। लेकिन वो बहुत सपोर्टिव है और ऑनेस्ट फीडबैक देता है। कैसी लग रही हो, वैसी लग रही हो। उसका रिएक्शन बहुत मायने रखता है।

बिग बॉस से भी बहुत कुछ सीखा होगा आपने?

हां, बहुत कुछ सीखा। उस शो ने 3 महीनों में जितना सिखाया, वैसा शायद कहीं और न मिले। वहां सिचुएशन, लोगों और स्ट्रेस को मैनेज करना सीख जाते हो। बाहर आते वक्त इतना कॉन्फिडेंट हो जाते हो कि एक शील्ड लग जाती है। अब फर्क नहीं पड़ता। पहले जो चीजें अफेक्ट करती थीं, रुलाती थीं, अब वो कुछ नहीं करतीं।

वीकेंड पर आपके दो शोज बैक-टू-बैक आ रहे हैं। लाफ्टर शेफ्स तो कमाल चल रहा है, और नागिन की जोड़ी भी। ये एक्सपीरियंस कैसा रहा? कभी सोचा था कि प्राइम टाइम पर ऐसा होगा?

भगवान ने सपनों से कहीं ज्यादा दिया है। इसके लिए हमेशा आभारी हूं। लाफ्टर शेफ्स को इतना प्यार मिला, नागिन को भी मिलेगा। शनिवार-रविवार 8 से 9 बजे नागिन में मिलूंगी, 9 से 10 बजे लास्ट शेफ्स में।

आपकी लॉयल्टी कमाल की है, पुराने को-स्टार्स के साथ बार-बार काम करते रहते हो?

अविनाश के साथ मेरी जोड़ी इतनी जबरदस्त है कि जब तक बाल नोचते नहीं, दुनिया हमें अलग नहीं कर सकती। शायद लास्ट शेफ्स के आखिरी शॉट्स में ही बाल नोचने वाले होंगे।

संक्षिप्त समाचार

न्यू जर्सी में दो हेलिकॉप्टर हवा में टकराए; एक पायलट की मौत, दूसरा गंभीर

न्यू जर्सी, एजेंसी। अमेरिका के न्यू जर्सी स्थित हैमॉन्टन में रविवार को दो हेलिकॉप्टर हवा में टकरा गए। हादसे में एक पायलट की मौत हो गई, जबकि दूसरे को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, दोनों हेलिकॉप्टर में सिर्फ पायलट ही सवार थे। हैमॉन्टन पुलिस ने बताया कि सुबह करीब 11:25 बजे हेलिकॉप्टर हादसे की सूचना मिली। मौके से सामने आए वीडियो में एक हेलिकॉप्टर तेजी से गोल-गोल घूमते हुए जमीन की ओर गिरता दिखा। टक्कर के बाद एक हेलिकॉप्टर में आग लग गई, जिसे पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने बुझाया। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) के अनुसार, यह टक्कर हैमॉन्टन म्यूनिसिपल एयरपोर्ट के ऊपर हुई। इसमें एनस्ट्रॉम एफ-28ए और एनस्ट्रॉम 280 सी मॉडल के हेलिकॉप्टर शामिल थे। एक पायलट की मौके पर मौत हो गई, जबकि दूसरे को जानलेवा चोटों के साथ अस्पताल ले जाया गया। एफएए और नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) हादसे की जांच करेंगे। पूर्व एफएए और एनटीएसबी जांचकर्ता एलन डील के मुताबिक, शुरुआती जांच में यह देखा जाएगा कि दोनों पायलटों के बीच कोई संचार हुआ था या नहीं और क्या वे एक-दूसरे को देख पा रहे थे।

महिला प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी पर बढ़ा बवाल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में महिला प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी को लेकर मानवाधिकार संकट गहराने के आरोप लगे हैं। मंझू शोरी इलाके में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रही महिलाओं पर पुलिस कार्रवाई की बलूचिस्तान बार काउंसिल ने कड़ी निंदा की है। रिपोर्ट के अनुसार महिलाएं लंबे समय से चली आ रही समस्याओं के समाधान की मांग कर रही थीं। बार काउंसिल ने इसे पाकिस्तान के संविधान, कानून और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों का उल्लंघन बताया।

बांग्लादेश में हिंदू श्रमिक की हत्या की अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने की निंदा

वाशिंगटन, एजेंसी। भारतवंशी अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने बांग्लादेश के एक कपड़ा कारखाने में काम करने वाले हिंदू श्रमिक की हत्या की निंदा की। उन्होंने वैश्विक समुदाय से ऐसे घृणित कृत्यों के खिलाफ आवाज उठाने का आग्रह किया। खन्ना ने सोशल मीडिया पर शनिवार को एक पोस्ट में दास की हत्या को भयानक घटना बताया। डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्य व सांसद खन्ना ने कहा, मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उसके मित्रों और परिवार के साथ हैं।

सूरीनाम में 5 बच्चों सहित 9 लोगों की चाकू मारकर हत्या

परमारिबो, एजेंसी। सूरीनाम की राजधानी परमारिबो के बाहरी इलाके में 9 लोगों की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस के मुताबिक, मृतकों में 5 बच्चे भी शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि मरने वाले लोग हमलावर के बच्चे और पड़ोसी थे। सूरीनाम पुलिस ने बताया कि हमलावर ने मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों पर भी हमला करने की कोशिश की। हालांकि, हमलावर के पैर में गोली मारकर उसे काबू में किया गया। आरोपी फिलहाल अस्पताल में भर्ती है और इलाज चल रहा है। सूरीनाम दक्षिण अमेरिका का एक छोटा सा देश है जो महाद्वीप के उत्तरी तट पर स्थित है। इसकी सीमा गुयाना, ब्राजील और फ्रेंच गुयाना से लगती है। इसकी आबादी 6 लाख से अधिक है। 1975 में नीदरलैंड से आजादी मिलने के बाद से सूरीनाम को कई बार तख्तापलट और एक गृहयुद्ध का सामना करना पड़ा है।

ह्यूस्टन में तीन शव मिलने के बाद सीरियल किलर की अफवाह फैली, लोग डरे; दलदली जगह से मिल रही लाशें

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के ह्यूस्टन के बफेलो बायू इलाके में इस सप्ताह तीन शव बरामद किए गए हैं, जिसके बाद से ह्यूस्टन में सीरियल किलर की अफवाह फैल गई है और स्थानीय लोग डरे हुए और परेशान हैं। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, ह्यूस्टन में सीरियल किलर की अफवाह तेजी से सोशल मीडिया पर फैल रही है। हालांकि जांच अधिकारी इससे इनकार कर रहे हैं। उनका कहना है कि सीरियल किलर की अफवाह का कोई आधार नहीं है। गौरतलब है कि ह्यूस्टन में शव मिलने की घटनाएं पहली बार नहीं हुई हैं बल्कि इस साल सितंबर में भी ह्यूस्टन की दलदली भूमि से पांच शव निकाले गए थे। उसके बाद भी इलाके में सीरियल किलर की अफवाह ने जोर पकड़ा था। स्थानीय मीडिया के अनुसार, पिछले साल ह्यूस्टन के स्थानीय जलमार्गों से 35 शव बरामद किए गए थे और इस साल अब तक 34 शव मिल चुके हैं। ह्यूस्टन के लोगों का कहना है कि इतनी संख्या में शव मिल रहे हैं तो कोई तो है, जो लोगों को मार रहा है। वहीं जांच एजेंसियों का कहना है कि एक जगह पर शव मिलना ही अपराध का संकेत नहीं है।

नए साल में खत्म हो जाएगा रूस-यूक्रेन युद्ध? डोनाल्ड ट्रंप बोले- 95 फीसदी मुद्दों पर बन गई है बात

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रविवार को कहा कि हम यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के साथ यूक्रेन में चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए समझौते के काफी करीब पहुंच गए हैं। हालांकि, पूर्वी यूक्रेन के विवादित डोनबास क्षेत्र का भविष्य अभी भी एक बड़ा अनसुलझा मुद्दा बना हुआ है। दोनों नेताओं ने फ्लोरिडा स्थित ट्रम्प के मार-ए-लागो रिसॉर्ट में रविवार को 3 घंटे लंबी बैठक की। ट्रम्प और जेलेंस्की ने यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी और डोनबास क्षेत्र के बंटवारे पर प्रगति होने की बात कही, लेकिन कोई ठोस जानकारी नहीं दी और न ही समझौते की कोई समय सीमा बताई। ट्रम्प ने कहा कि कुछ मुद्दों पर बातचीत अभी बाकी है। कुछ हफ्तों में यह पता चल जाएगा कि बातचीत सफल होगी या नहीं। जेलेंस्की ने बताया कि यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी पर समझौता हो गया है। वहीं, ट्रम्प ने कहा कि इस पर 95% सहमति बन चुकी है और यूरोपीय देश इस प्रयास का बड़ा हिस्सा संभालेंगे, जिसमें अमेरिका का समर्थन होगा। तीन घंटे तक यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की संग चली वार्ता के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि दोनों देशों युद्धविराम के बहुत करीब पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि अब एक या दो ही गंभीर मुद्दे बचे हैं। वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि यह वार्ता बहुत ही सकारात्मक थी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी फोन पर बात हुई और ऐसा लगता है कि हम समझौते के बहुत करीब हैं।

रूस ने कहा, डोनबास छोड़ दो : ट्रंप ने कहा कि सुरक्षा की गारंटी को लेकर 95 फीसदी के करीब सहमति बन गई है। उन्होंने यह भी कहा कि रूस ने यूक्रेन से डोनबास इलाके को छोड़ने को कहा है। बाकी कुछ मुद्दे अभी बाकी रह गए हैं। यह बातचीत अमेरिका के फ्लोरिडा में डोनाल्ड ट्रंप के मार ए लागो रिजॉर्ट में हुई थी।

जेलेंस्की ने क्या कहा : डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ऐसा लग रहा है कि यह वार्ता सफलता के करीब है। जेलेंस्की ने भी इस मीटिंग को सकारात्मक बताया और कहा कि दोनों पक्षों में भरोसा बढ़ा है। जेलेंस्की ने कहा की गारंटी को लेकर पूरी तरह से सहमति बन गई है। वहीं ट्रंप ने कहा कि इस मुद्दे पर 95 फीसदी सहमति बनी है। इसमें यूरोपीय देशों की बड़ी भूमिका होगी औरअमेरिका उनका समर्थन करेगा।

किन बातों पर नहीं बनी सहमति : दोनों नेताओं ने कहा कि डोनबास को लेकर अभी कोई सहमित नहीं बनी है। यूक्रेन चाहता है कि रूस यहां से अपनी सेना को हटा ले। वहीं रूस डोनबास इलाके पर कब्जे का दावा कररहा है। यह मुद्दा गंभीर है। यूक्रेन का कहना है कि जनता की सहमति से ही वह कोई फैसला करेगा। ऐसे में डोनबास में जनमत संग्रह करवाया जा सकता है।

बता दें कि जेलेंस्की से बातचीत से ठीक पहले डोनाल्ड ट्रंप ने पुतिन को फोन घुमाया था। रूस ने कहा कि यह केवल दोस्ताना बातचीत थी। रूस ने कहा कि यूरोप और यूक्रेन की तरफ से जो 60 दिनों को युद्धविराम का प्रस्ताव आया है, उसे लंबा भी किया जा सकता है। डोनबास पर जल्द फैसला करने की जरूरत है। बता दें कि हाल ही में रूस ने राजधानी और अन्य इलाकों पर मिसाइल हमले किए हैं। इससे कीव के एनर्जी संयंत्र प्रभावित हुए हैं। यूक्रेन जाने को भी तैयार डोनाल्ड ट्रंप डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अगर उनकी यूक्रेन यात्रा से युद्ध खत्म होता है तो वह इस दौरे के लिए तैयार हैं। वह यूक्रेन की संसद को भी संबोधित करेंगे। बता दें कि जेलेंस्की ने उन्हें यूक्रेन आने के लिए आमंत्रित किया है।

ट्रम्प बोले- मैंने 8 जंग रुकवाए, रूस-यूक्रेन जंग सबसे मुश्किल : ट्रम्प ने अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित अपने रिसॉर्ट 'मार-ए-लागो' में जेलेंस्की का स्वागत किया। युद्ध मामले पर चर्चा से पहले, दोनों नेताओं ने रिसॉर्ट के बाहर पत्रकारों से बात की। ट्रम्प ने कहा- मैंने आठ युद्ध खत्म करवाए हैं, लेकिन रूस-यूक्रेन जंग सबसे मुश्किल है। हम बातचीत के अंतिम दौर में हैं। देखते हैं क्या होता है। या तो युद्ध खत्म हो जाएगा या बहुत लंबे समय तक चलता रहेगा और लाखों लोग मारे जाएंगे। ट्रम्प ने कहा- युद्ध कब रुकेगा, इसकी कोई तय समय सीमा नहीं है। मैं रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात करूंगा। बहुत से लोग मारे गए हैं और दोनों राष्ट्रपति अब समझौता करना चाहते हैं।

जेलेंस्की संग मीटिंग से पहले ट्रम्प ने पुतिन से बात की : ट्रम्प ने जेलेंस्की के साथ मीटिंग से ठीक पहले पुतिन से फोन पर बातचीत की थी। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर लिखा- आज दोपहर 1 बजे यूक्रेन के राष्ट्रपति के साथ बैठक से पहले, मेरी रूस के राष्ट्रपति पुतिन के साथ फोन पर अच्छी और बहुत ही सार्थक बातचीत हुई। ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने पुतिन से दो घंटे से ज्यादा बात की।

ट्रम्प ने कहा कि रूसी नेता ने यूक्रेन की पुनर्निर्माण में मदद करने, सस्ती ऊर्जा सप्लाई करने का वादा किया। ट्रम्प ने कहा, 'रूस यूक्रेन को सफल होते देखना चाहता है, यह थोड़ा अजीब लगता है।' इस दौरान जेलेंस्की मुस्कुराते रहे। ट्रम्प ने कहा कि जेलेंस्की से मुलाकात के बाद वे फिर पुतिन से बात करेंगे। ट्रम्प और जेलेंस्की के साथ बैठक में रूस शामिल नहीं होगा।

दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति वर्षों बाद राष्ट्रपति भवन पहुंचे, ऐतिहासिक ब्लू हाउस में शिफ्ट हुए

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग सोमवार को आधिकारिक राष्ट्रपति भवन चोंग वा डे पहुंचे, जून में राष्ट्रपति पद संभालने के बाद यह ली जे म्युंग का पहला राष्ट्रपति भवन का दौरा था। यह राष्ट्रपति भवन बीते तीन वर्षों से खाली पड़ा है क्योंकि पूर्व राष्ट्रपति यून सुक योल ने राष्ट्रपति भवन को रक्षा मंत्रालय परिसर में स्थानांतरित कर दिया था।

ऐतिहासिक है दक्षिण कोरिया का ब्लू हाउस : दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास की इमारत बेहद ऐतिहासिक है और इसे ब्लू हाउस कहा जाता है। 9 मई 2022 के बाद पहली बार कोई दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ब्लू हाउस गया है। 9 मई 2022 को तत्कालीन राष्ट्रपति मून जे इन के कार्यकाल का आखिरी दिन था। उनके बाद राष्ट्रपति बने यून सुक योल ने राष्ट्रपति भवन को रक्षा मंत्रालय की इमारत में शिफ्ट कर दिया था। दिसंबर 2024 में यून सुक योल पर देश में मार्शल लॉ लगाने का आरोप लगा और उन्हें सत्ता से बेदखल कर दिया गया। उसके बाद हुए चुनाव में ली जे म्युंग ने सत्ता संभाली।

यून सुक योल ने रक्षा मंत्रालय में शिफ्ट कर दिया था राष्ट्रपति भवन : ब्लू हाउस उत्तरी सियोल में शहर की भागदौड़ से दूर एक पहाड़ी के निचले इलाके में बना है। 62 एकड़ में फैली ये ऐतिहासिक इमारत ऐतिहासिक जियोंगबोकगुंग महल के पास स्थित है और दक्षिण कोरिया के जापान के शासन से आजाद होने के बाद से ही राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास रहा है। हालांकि यून सुक योल का मानना था कि राष्ट्रपति भवन लोगों की पहुंच से दूर है और ज्यादा लोकतांत्रिक होने का हवाला देते हुए रक्षा मंत्रालय परिसर में राष्ट्रपति भवन को स्थानांतरित कर दिया। इस काम में भारी-भरकम रकम खर्च हुई, जिसे लेकर यून की आलोचना भी हुई थी। यून ने ब्लू हाउस को संग्रहालय में तब्दील कर दिया और इसे आम लोगों के लिए खोल दिया गया था।

सीरिया में सांप्रदायिक दंगा, 4 की मौत, दर्जनों घायल; मस्जिद में धमाके के दो दिन बाद झड़प

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया में रविवार को अलावी समुदाय के प्रदर्शनकारियों और विरोधी प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुईं, जिसमें 4 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हो गए। स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक, ये झड़पें होम्स शहर में एक मस्जिद पर हुए बम विस्फोट के दो दिन बाद हुईं, जिसमें 8 लोग मारे गए थे और 18 घायल हुए थे। हजारों की संख्या में अलावी प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे, वे अलावी समुदाय के खिलाफ हो रही हत्याओं, गिरफ्तारियों, नौकरियों से बर्खास्तगी और भेदभाव के खिलाफ आवाज उठा रहे थे। कुछ प्रदर्शनकारियों ने संघीय व्यवस्था की मांग भी की। झड़पों के दौरान, लताकिया में सरकार समर्थक प्रदर्शनकारियों ने अलावी प्रदर्शनकारियों पर पत्थर फेंके। सुरक्षा बलों ने दोनों पक्षों को अलग करने की कोशिश की और हवा में गोलीबारी करके भीड़ को तितर-बितर किया। सरकारी टीवी के अनुसार, तर्तूस में किसी ने पुलिस स्टेशन पर हैंड ग्रेनेड फेंका, जिसमें सुरक्षा बलों के दो सदस्य घायल हो गए। लताकिया में सुरक्षा बलों की गाड़ियां आग के हवाले कर

दी गईं। सरकारी समाचार एजेंसी साना ने बताया कि गोलीबारी में एक सुरक्षा कर्मी की मौत हो गई और पत्थरों, चाकुओं और गोलीबारी से करीब 60 लोग घायल हुए, जिनमें नागरिक और सुरक्षा कर्मी दोनों शामिल हैं। सरकार ने हमले की निंदा की और दोषियों को सजा देने का वादा किया, लेकिन अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। बशर असद के दिसंबर 2024 में सत्ता से हटने के बाद से सीरिया में संप्रदायिक झड़पें बढ़ गई हैं। असद अलावी थे और तख्तापलट के बाद वे रूस भाग गए थे। मार्च 2025 में असद समर्थकों के हमले के बाद बदले की कार्रवाइयों में सैकड़ों अलावी मारे गए थे। असद के शासन में अलावी सेना और सरकारी नौकरियों में ज्यादा प्रतिनिधित्व रखते थे।

घाना के युवक ने खुद को पैगंबर बताया:25 दिसंबर से प्रलय शुरू होने का दावा किया था

एक्रॉ, एजेंसी। अफ्रीकी देश घाना में 30 साल का एक युवक खुद को भगवान का भेजा हुआ पैगंबर बता रहा है। पहले उसने दावा किया था कि 25 दिसंबर से पूरी दुनिया में ऐसी भयानक बाढ़ आएगी कि धरती पानी में डूब जाएगी और तीन साल तक लगातार बारिश होगी।

यानी 25 दिसंबर से प्रलय की शुरुआत हो जाएगी, हालांकि अब वह कह रहा है कि उसकी प्रार्थना के बाद ईश्वर ने लोगों को और समय दे दिया है। इस युवक का नाम एबो नोआ है। सोशल मीडिया पर वह खुद को 'एबो जीसस' कहता है। इंस्टाग्राम पर उसके करीब 32 हजार फॉलोअर्स हैं। वायरल वीडियो में एबो नोआ कहता दिख रहा है कि उसे भगवान का संदेश मिला है कि बहुत जल्द लगातार बारिश शुरू होगी, जिससे पूरी धरती जलमग्न हो जाएगी और जैसे आज दुनिया चल

रही है, उसका अंत हो जाएगा।

एबो नोआ का दावा- उसे 8 नाव बनाने का आदेश मिला : एबो नोआ का कहना है कि भगवान ने उसे पहले से तैयारी करने को कहा है। इसी वजह से वह बड़ी-बड़ी लकड़ी की नावें, यानी आर्क बनवा रहा है। उसका दावा है कि ये नावें ही तबाही के समय लोगों को बचा पाएंगी। वह कहता है कि उसे कुल आठ नावें बनाने का आदेश मिला है। वीडियो में वह खुद एक बड़ी लकड़ी की नाव के पास खड़ा होकर उसके निर्माण की निगरानी करता नजर आता है। इस वीडियो के वायरल होते ही सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। कई लोग उसके दावे पर सवाल उठा रहे हैं। कुछ यूजर्स बाइबिल की किताब जेनेसिस का हवाला दे रहे हैं, जिसमें लिखा है कि भगवान ने इंद्रधनुष के जरिए वादा किया था कि वह धरती को दोबारा कभी पूरी बाढ़ से नष्ट नहीं करेंगे। इसी वजह से लोग एबो नोआ की बातों को सच मानने को तैयार नहीं हैं।

अगस्त में भी धरती डूबने का दावा किया था : एबो नोआ इससे पहले भी ऐसे दावे कर चुका है। अगस्त में भी उसने इसी तरह का दावा किया था। अब एबो नोआ कह रहा है कि भगवान ने हमारी प्रार्थना सुन ली है। उन्होंने हमें और वक्त दे दिया है, ताकि हम और नावें बना सकें। इस क्रिसमस का आनंद लीजिए। इस पूरे मामले से जुड़ी एक और अजीब घटना भी सामने आई है। खबर है कि एक शख्स ने गुस्से में आकर एक नाव को जला दिया। उसे लगा कि यही एबो नोआ की नाव है। बताया जा रहा है कि उसकी पत्नी और परिवार वाले बाढ़ की अफवाह सुनकर उस नाव के पास रहने चले गए थे। बाद में पता चला कि वह नाव एबो नोआ से जुड़ी ही नहीं थी। इसके बाद यह मामला और ज्यादा चर्चा में आ गया।

आम चुनाव से पहले दो प्रमुख मधेसी पार्टियां हुईं एक

संयुक्त बयान जारी कर जेएसपी-एलएसपी में विलय का एलान

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल में आगामी आम चुनावों से पहले दो प्रमुख मधेसी राजनीतिक दलों ने एकजुट होने का ऐलान किया है। 5 मार्च को प्रस्तावित आम चुनावों से पहले जनता समाजवादी पार्टी (जेएसपी) और लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी (एलएसपी) के विलय की घोषणा रविवार को हुई।

संयुक्त बयान जारी कर विलय की घोषणा : नेपाल में आम चुनावों से पहले दो प्रमुख मधेसी पार्टियों ने विलय करने की घोषणा की है। आम चुनाव अगले साल 5 मार्च को होने हैं। ऐसे में महंत ठाकुर के नेतृत्व वाली जनता समाजवादी पार्टी (जेएसपी) और उपेंद्र यादव के नेतृत्व वाली लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी (एलएसपी) ने रविवार को एक संयुक्त बयान जारी कर विलय की घोषणा की है।

दोनों दलों के अध्यक्षों के किया हस्ताक्षर : दोनों दलों के नेताओं ने कहा कि देश की मौजूदा राजनीतिक स्थिति का विश्लेषण करने और संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य व्यवस्था को मजबूत करने की आवश्यकता को महसूस करते हुए यह फैसला लिया गया है। संयुक्त बयान में कहा गया, 'दोनों दलों के एकीकरण का फैसला संघीयता, पहचान, अनुपातिक प्रणाली पर आधारित समावेशिता और सामाजिक न्याय जैसे दूरदर्शी बदलावों से जुड़े मुद्दों को मजबूत कर एक न्यायपूर्ण समाज के निर्माण के उद्देश्य से लिया गया है। बयान पर दोनों दलों के अध्यक्षों के हस्ताक्षर हैं। साथ ही कहा गया है कि पार्टी एकीकरण से जुड़े आवश्यक विचार-विमर्श और प्रक्रियात्मक औपचारिकताओं को बाद में पूरा किया जाएगा।

बालेन शाह बने प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार : इधर, काठमांडो महानगरपालिका के मेयर बलेंद्र शाह, जिन्हें लोकप्रिय रूप से बालेन के नाम से जाना जाता है, उनको रविवार को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार नामित किया गया है, उन्होंने और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने 5 मार्च को होने वाले नेपाल चुनावों में संयुक्त रूप से चुनाव लड़ने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। समझौते के अनुसार बालेन और उनका समूह चुनाव आयोग की ओर से दिए गए आरएसपी के चुनाव चिन्ह 'घंटी' पर चुनाव लड़ेगा। बालेन की ओर से अपनी टीम का आरएसपी में विलय करने पर सहमति जताने के बाद पार्टी का नाम, झंडा और चुनाव चिन्ह अपरिवर्तित रहेंगे।

मेक्सिको में ट्रेन पटरी से उतरी, इंजन पलटा:13 की मौत, 98 घायल

ओअक्साका, एजेंसी। मेक्सिको के दक्षिणी राज्य ओअक्साका में एक ट्रेन के पटरी से उतर गई, जिसके बाद ट्रेन का इंजन पलट गया। कई बोगियां भी पलट गईं। इसमें 13 लोगों की मौत हो गई और 98 लोग घायल हो गए हैं। यह ट्रेन मैक्सिको की खाड़ी और प्रशांत महासागर को जोड़ने वाले एक नए रेलमार्ग पर चल रही थी। इस रेलवे लाइन का संचालन मैक्सिकन नौसेना करती है। मेक्सिकन नौसेना के अनुसार, ट्रेन में 250 लोगों सवार थे, जिसमें 9 क्रू मेंबर शामिल थे। हादसा चिवेला और निजांडा कस्बों के बीच एक मोड़ पर हुआ। घायलों में से 36 को अस्पताल में इलाज दिया जा रहा है। राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाउम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि पांच घायल गंभीर हालत में हैं। उन्होंने सीनियर अधिकारियों को मौके पर भेजकर मृतकों के परिवारों की मदद करने के निर्देश दिए हैं।

सरकारी एजेंसियां घायलों की मदद के लिए पहुंचे : ओअक्साका राज्य के गवर्नर सलोमोन जारा ने एक्स पर पोस्ट करके बताया कि कई सरकारी एजेंसियां हादसे की जगह पर पहुंच गई हैं और घायलों की मदद कर रही हैं। मेक्सिको की अटॉर्नी जनरल अर्नेस्टिना गोदॉय रामोस ने भी सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि इस घटना की जांच शुरू कर दी गई है। यह ट्रेन प्रशांत महासागर के सालिना क्रूज बंदरगाह से अटलांटिक महासागर तक लगभग 290 किलोमीटर की दूरी तय करती है।

रेल लाइन का उद्घाटन 2023 में हुआ था : यह इंटरोशियनिक ट्रेन सेवा 2023 में तत्कालीन राष्ट्रपति एंड्रेस मैनुअल लोपेज ओब्राडोर ने शुरू की गई थी। यह मेक्सिको के दक्षिणी हिस्से में रेल यात्रा को बढ़ावा देने और तेहुआंतेपेक इस्त्मस क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास का हिस्सा है। सरकार का योजना इस क्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए रणनीतिक कॉरिडोर बनाने की है, जहां बंदरगाहों और रेल लाइनों से दोनों महासागरों को जोड़ा जा सके। इस हादसे से रेल सेवा प्रभावित हुई है और बचाव कार्य जारी हैं।

उत्तर कोरिया ने फिर दिखाया हथियारों का दम, लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल का किया परीक्षण

सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने एक बार फिर अपनी सैन्य ताकत का प्रदर्शन किया है। इसके तहत उत्तर कोरिया ने समुद्र में लंबी दूरी की रणनीतिक क्रूज मिसाइलों का परीक्षण किया है। यह परीक्षण देश की परमाणु ताकत को परखने के लिए किया गया। यह कदम ऐसे समय उठा है, जब उत्तर कोरिया अपनी पहली परमाणु पनडुब्बी के निर्माण में तेजी दिखा रहा है, जिससे कोरियाई प्रायद्वीप में तनाव बढ़ गया है। उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए (चष्टह्व) के अनुसार, ये मिसाइल परीक्षण रविवार को देश के पश्चिमी तट के पास किए गए।

जब ये परीक्षण किया गया तब वहां खुद उत्तर कोरिया के नेता नेता किम जोंग उन मौजूद थे। उन्होंने इस परीक्षण को लेकर कहा कि देश की परमाणु ताकत की विश्वसनीयता को जांचना और अपनी सैन्य क्षमता दिखाना, बाहरी खतरों के सामने आत्मरक्षा और युद्ध रोकने का जिम्मेदार कदम है।

उत्तर कोरियाई सेना ने की पुष्टि : दूसरी ओर, दक्षिण कोरिया की सेना ने भी पुष्टि की कि रविवार सुबह उत्तर कोरिया की राजधानी क्षेत्र से कई क्रूज मिसाइलें दागी गईं। दक्षिण कोरिया ने कहा कि वह अमेरिका के साथ अपने सैन्य गठबंधन के तहत किसी भी उत्तर कोरियाई उकसावे का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

अब समझिए क्या है कानूनी स्थिति : वहीं बात अगर अब अंतरराष्ट्रीय कानून की स्थिति की करें, तो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने उत्तर कोरिया को बैलिस्टिक मिसाइल दागने से रोक रखा है। हालांकि, क्रूज मिसाइल के परीक्षण पर सीधी रोक नहीं है। फिर भी, ये मिसाइलें अमेरिका और दक्षिण कोरिया के लिए खतरनाक मानी जाती हैं, क्योंकि ये कम ऊंचाई पर उड़ती हैं, आसानी से दिशा बदल सकती हैं और रडार

से बच निकलती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि युद्ध की स्थिति में उत्तर कोरिया इनका इस्तेमाल अमेरिकी युद्धपोतों और विमानवाहक जहाजों पर हमला करने के लिए कर सकता है।

हाल की अन्य गतिविधियां : बता दें कि पिछले हफ्ते उत्तर कोरिया ने नई एंटी-एयर मिसाइलों का परीक्षण किया। साथ ही, उसने एक परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी की तस्वीरें जारी कीं, जिसका ढांचा लगभग पूरा दिखा। ऐसे में उत्तर कोरिया ने संकेत दिया है कि इस पनडुब्बी में परमाणु मिसाइलें तैनात की जा सकती हैं। परमाणु पनडुब्बी उन कई आधुनिक हथियार प्रणालियों में से एक है, जिन्हें किम जोंग उन अमेरिका के नेतृत्व वाले सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए लाना चाहते हैं।

रूस से नजदीकी का असर : वहीं मामले में कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि हाल के महीनों में रूस के साथ उत्तर कोरिया की नजदीकी, जिसमें यूक्रेन युद्ध में रूस को सैनिक और सैन्य उपकरण भेजना शामिल है, के बदले उत्तर कोरिया को महत्वपूर्ण तकनीक मिल सकती है। ऐसे में विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि अगले साल होने वाले वर्कर्स पार्टी कांग्रेस से पहले उत्तर कोरिया अपने हथियारों के और प्रदर्शन कर सकता है।

अमेरिकी वार्ता से किम जोंग के प्रस्ताव तक, जानिए : गौरतलब है कि 2019 में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ परमाणु वार्ता विफल होने के बाद से उत्तर कोरिया ने अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम पर और ज्यादा जोर दिया है। हालांकि, सितंबर में किम जोंग उन ने संकेत दिया था कि अगर अमेरिका उत्तर कोरिया के पूर्ण परमाणु निरस्त्रीकरण की मांग छोड़ दे, तो बातचीत फिर शुरू हो सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि किम अपनी बढ़ी हुई परमाणु ताकत को संभावित वार्ताओं में दबाव बनाने के हथियार के रूप में देख रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं, राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं, राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com